www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 280 । भोपाल, सोमवार 9 अक्टूबर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

मुख्यमंत्री निवास घेरने जा रहे करणी सेना के कार्यकर्ता गिरफ्तार पृष्ठ 3

- इजराइल के समर्थन के बहाने देश में नफरत को बढ़ावा!
- मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज पर सियासत का अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों? पृष्ठ 4

- नवरात्रि और दशहरे को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक पृष्ठ 6

कुख्यात गांजा तस्कर 4 किलो मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार पृष्ठ 7

सार-समाचार

विधायक सचिन बिरला ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

भोपाल, देशबन्धु। खरगोन जिले के बड़वाह विधानसभा क्षेत्र से विधायक सचिन बिड़ला ने आज विधिवत भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। श्री बिड़ला ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के समक्ष रविवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी की सदस्यता प्रदान की। भाजपा नेताओं ने उन्हें पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व प्रदेश कार्यालय प्रभारी भगवानदास सबनानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन और प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि श्री बिड़ला वर्ष 2018 में पहली बार कांग्रेस की टिकट चुनाव लड़े थे और जीतकर विधायक बने। इसके बाद उन्होंने करीब 2 साल पहले ही कांग्रेस से नाता तोड़ लिया था और सार्वजनिक रूप से भाजपा के साथ जाने की घोषणा की थी। लेकिन भाजपा की सदस्यता ग्रहण नहीं की थी, क्योंकि उनकी विधानसभा सदस्यता जा सकती थी। अब माना जा रहा है कि वह बड़वाह से भाजपा के उम्मीदवार होंगे।

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश संगठन महामंत्री ने दिलाई सदस्यता

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 3 की मौत

बड़वानी, एजेंसी। मप्र के बड़वानी जिले के ठीकरी थाना क्षेत्र में आज मजदूरों को ले जा रही ट्रैक्टर ट्राली एक जानवर को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गयी। घटना के चलते ट्रैक्टर चला रहे किसान और दो नाबालिग मजदूरों की मृत्यु हो गई और तीन नाबालिग समेत पांच अन्य घायल हो गए। खेत में मजदूरों को ले जा रही ट्रैक्टर ट्राली कुंआं-कपालिया खेड़ी रोड पर अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के चलते ट्रैक्टर चला रहे किसान अमित पाटीदार व दो मजदूर अनिल तथा सजन की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना में ममता, बायली, रविता, कविता और खेल सिंह घायल हुए हैं। समस्त मजदूर जिले के निवाली थाना क्षेत्र के निवासी थे।

बिहार में 24 घंटे में डूबने से 22 लोगों की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार में पिछले 24 घंटे के दौरान नदी, तालाब, पोखर सहित अन्य जलाशयों में डूबने से 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें से सबसे अधिक भोजपुर जिले में पांच लोगों की मौत पानी में डूबने से हुई है। डूबने से लोगों की हुई मौत पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है।

पटाखा दुकान में लगी आग, 13 की मौत

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक पटाखे की दुकान-सह-गोदाम में आग लगने से कम से कम 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। अनेकल तालुका के अट्टीबेले में स्थित दुकान में आग लगने से पहले ही चौदह लोग चमत्कारिक ढंग से भाग निकले। दमकल गाड़ियों के साथ आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और मृतक के परिवारों को मुआवजा दिया जाना चाहिए।

14 हजार लीटर शराब जब्त

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के उत्पाद शुल्क विभाग ने पांच दिनों के दौरान 14 हजार लीटर से अधिक अवैध डिस्टिल्ड (आईडी) शराब जब्त की है। आगामी विधानसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 5 अक्टूबर को हैदराबाद में एक समीक्षा बैठक आयोजित करने के बाद, उत्पाद शुल्क विभाग ने 14,227 लीटर आईडी शराब, 1,710 किलोग्राम गुड़, 94.8 लीटर शराब, 170 किलोग्राम गांजा और 21 वाहन जब्त किए। उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने 6 अक्टूबर को निज़ामाबाद में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और 157.39 किलोग्राम गांजा, एक बोलेरो वाहन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया। चुनाव आयोग की टीम ने पिछले सप्ताह अपनी यात्रा के दौरान सभी राज्य और केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियों को धन की शक्ति और शराब, नकदी, मुफ्त वस्तुओं और नशीली दवाओं के प्रवाह के खिलाफ बहुत सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

इजराइल-हमास संघर्ष : 6 सौ से अधिक लोग मारे गए

- हमलों में 2 हजार से अधिक लोग हुए घायल
- इजराइल ने कहा, 8 जगहों पर लड़ाई जारी

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायली सेना और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के बीच लड़ाई में 600 से अधिक लोग मारे गए हैं। बीबीसी ने फिलिस्तीनी अधिकारियों के हवाले से बताया कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में 313 लोग मारे गए हैं और 2,000 घायल हुए हैं।

इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से तुर्की में इजराइल के दूतावास ने कहा, इजराइल में भी 300 नागरिक मारे गए हैं और दर्जनों इजराइलियों को बंधक बना लिया गया है। अब तक के सबसे बड़े हमले में हमास ने गाजा पट्टी से यहूदी राज्य की ओर मिसाइलों की बौछारें कर दी। हमास ने मिसाइल हमलों की आड़ में इजराइल की सीमा में घुसपैठ की। इजरायली सेना ने कहा, वे पैराग्लाइडर का उपयोग कर जमीन, समुद्र और हवा से इजरायल में दाखिल हुए। इजरायली अधिकारियों ने कहा, इजराइल अभी भी युद्ध में है और हमास से इज़रायली क्षेत्र और समुदायों पर पूर्ण नियंत्रण लेने के प्रयास पूरा कर रहा है। इजराइल ने कहा कि उसके क्षेत्र के अंदर हमास आतंकवादियों के साथ आठ जगहों पर लड़ाई चल रही है।

हमास का दावा, वेस्ट बैंक व लेबनान तक फैलेगा युद्ध

इजराइली सेना के लगातार जवाब के बाद चरमपंथी समूह हमास का एक और चौंकाने वाला बयान सामने आया है। हमास ने घोषणा की है कि युद्ध तेज होगा और वेस्ट बैंक और लेबनान तक फैल जाएगा। हमास के हमले के बाद इजराइल डिफेंस फोर्सेज लागातार अटैक कर रही हैं। दोनों पक्षों की ओर से सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इजराइली सेना के वॉर रूम में मौजूद हैं।

एयर इंडिया ने उड़ानें 14 तक निलंबित की

नई दिल्ली। शनिवार को शुरू हुए हमास के हमले के जवाब में एयर इंडिया ने 14 अक्टूबर तक दिल्ली-तेल अवीव उड़ानें निलंबित कर दी हैं। हमारे यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा के लिए तेल अवीव से हमारी उड़ानें 14 अक्टूबर, 2023 तक निलंबित रहेंगी। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, एयर इंडिया इस अवधि के दौरान किसी भी उड़ान में बुकिंग की पुष्टि करने वाले यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। इस बीच, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि जो भारतीय इजराइल में हैं, वे किसी भी मदद के लिए भारतीय दूतावास से संपर्क कर सकते हैं।

छात्रों को वापस लाने का प्रयास कर रहा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने रविवार को कहा कि फिलिस्तीनी सशस्त्र गुट हमास के हमले के मद्देनजर इजरायल में फंसे भारतीय छात्रों को वापस लाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें शनिवार रात इज़राइल में भारतीयों के बारे में कई संदेश मिले। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय सीधे स्थिति की निगरानी कर रहा है।

लद्दाख पहाड़ी स्वायत्त विकास परिषद के चुनाव

कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का दबदबा

लद्दाख, एजेंसी। लद्दाख पहाड़ी स्वायत्त विकास परिषद कारगिल के चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का दबदबा है। कांग्रेस ने यहां 8 सीटें जीत ली हैं। वहीं फारूक अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने 11 सीटें हासिल की हैं। भाजपा को मात्र 2 सीटें मिली हैं।

कहा जा रहा है कि कांग्रेस को राहुल के दौरे का मिल रहा फायदा मिला है। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त को राहुल गांधी ने लद्दाख का दौरा किया था जिसके बाद सियासत गर्मा गई। लद्दाख में राहुल गांधी ने दूरदराज क्षेत्रों तक आम लोगों के बीच भी पहुंचे थे। बाजारों में भी घूमे और शापिंग भी की थी।

जीते भाजपा उम्मीदवार की आई प्रतिक्रिया पांचवें लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनाव में चा निर्वाचन क्षेत्र से जीतने वाले भाजपा उम्मीदवार स्टैनजिन लाकपा ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया इस बार एक लंबी प्रक्रिया थी और इसलिए हमें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। लेकिन मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने मुझे वोट दिया और मैं जीत गया। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

सीहोर जिले के जहाजपुरा में 10 करोड़ के विकास कार्यों की शुरूआत, फिर भावुक हुए शिवराज, बोले-

जनता से मिले प्यार का कर्ज मरते दम तक चुकाता रहूंगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज एक बार फिर भावुक हो गए। उन्होंने सीहोर जिले के जहाजपुरा में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मुझे जनता ने एक परिवार के सदस्य की तरह प्यार किया। मरते दम तक मैं इसका कर्ज चुकाता रहूंगा। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की जनता का मेरा अद्भुत रिश्ता है। कल रात मैं मय्यर से जबलपुर तक सड़क मार्ग से गया तो हर जगह आधी रात को भी जनता सड़क पर खड़ी थीं और हर जगह भैया-मामा कहकर पुकार रही थीं। जनता का प्यार देखकर मेरा जीवन धन्य हो गया। उन्होंने कहा कि जहाजपुरा वालों तुमने पुकारा और मैं चला आया। श्री चौहान ने यह भी कहा कि मैं चैन की नींद लेने मुख्यमंत्री नहीं बना था, मैंने कभी भी 24 घंटे में 4 घंटे से ज्यादा नींद नहीं ली, जनता की जिंदगी बदलना ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

श्री चौहान ने कहा कि मैंने सरकार नहीं परिवार चलाया है, भैया और मामा बनकर ही मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है। मेरा प्रदेशवासियों से अद्भुत रिश्ता है। बहनों की जिंदगी बदलना, बच्चों की पढ़ाई के लिए बेहतर इंतजाम, युवाओं को रोजगार के लिए कौशल सिखाने और बीमारी में इलाज की व्यवस्था एवं हरसंभव सहायता, वरिष्ठजनों की तीर्थ-यात्रा का इंतजाम, किसानों को जीरो प्रतिशत पर ब्याज दिलाना, उनके लिए समय पर खाद की व्यवस्था और हर गरीब के रहने के लिए जमीन के पट्टे की व्यवस्था करना मेरे लिए महत्वपूर्ण है। श्री चौहान ने 10 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहन-बेटियों को सशक्त करने के लिए ही लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्या विवाह योजना जैसी योजनाएँ संचालित की गईं। लाड़ली बहना योजना भी बहनों का मान-सम्मान और आत्म-विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से आरंभ की गई है। बहनों को धन के लिए किसी के सामने हाथ न फैलाने पड़ें ,वे आत्म-निर्भर हों, इस उद्देश्य से ही प्रतिमाह 1000 रूपए उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। जिसे बढ़ाकर 1250 रूपए किया गया है, क्रमबद्ध रूप से राशि बढ़ाते हुए बहनों को प्रतिमाह 3000 रूपए दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीब और किसान के बच्चों को प्राइवेट स्कूल जैसी शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सीएम राइज स्कूल बनाए जा रहे हैं। पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें राशि के साथ साइकिल, लेपटॉप, स्कूटी आदि देने की व्यवस्था भी की गई है। विद्यार्थियों द्वारा मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश लेने पर उनकी फीस राज्य सरकार द्वारा भरवाई जाएगी। हर गरीब का अपना घर हो यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भू-आवासीय योजना में पट्टे उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम को सांसद रमाकांत भार्गव ने भी संबोधित किया।

जमुनाबाई का किया सम्मान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्थानीय निवासी श्रीमती जमुना बाई को शाल, श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान जब पहली बार विधायक के चुनाव के लिए जनसम्पर्क कर रहे थे, तब श्रीमती जमुना बाई ने उन्हें चुनाव लड़ने में अपने योगदान और सहयोग के रूप में 2 रूपए भेंट करते हुए, सफल होने का आशीर्वाद प्रदान किया था।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या 2 हजार हुई

हेरात, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में बीते दिन आए भूकंप की वजह से कम से कम 2000 लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आया है। ये आंकड़ा तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दिया है. देश के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल वाहिद रायन ने कहा कि हेरात में भूकंप से मरने वालों की संख्या मूल रूप से बताई गई संख्या से ज्यादा है।

उन्होंने तत्काल मदद की अपील करते हुए कहा कि करीब छह गांव तबाह हो गए हैं और सैकड़ों नागरिक मलबे में दब गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के दफ्तर से एक अपडेट में कहा गया है कि 465 घरों के तबाह होने की सूचना है और 135 क्षतिग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के दफ्तर ने कहा, भागीदारों और स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि ध्वस्त इमारतों के नीचे कुछ लोगों के फंसे होने की खबरों के बीच खोज और बचाव प्रयास जारी हैं। शनिवार को हेरात प्रांत में भूकंप के चार झटके महसूस किए गए। तालिबानी सरकार में वित्त मामलों के उप-प्रधानमंत्री अब्दुल गनी बरादर ने घायल और मरने वालों को लेकर शोक जाहिर किया है। तालिबान ने हेरात के भूकंप प्रभावी इलाकों में स्थानीय संगठनों को जल्द से जल्द पहुंचने की गुजारिश की है।

6 गांव तबाह हो गए, तालिबान ने मांगी मदद

रक्षा मंत्रालय व राज्य सरकार ने दी जानकारी

सिक्किम में बाढ़ से मारे गए 30 लोग

गंगटोक, एजेंसी। सिक्किम में बाढ़ से मारे गए 30 लोगों में 19 भारतीय सेना के जवान हैं। रक्षा मंत्रालय और राज्य सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी।

उत्तरी सिक्किम में लोनाक झील का किनारा टूट गया और तीस्ता नदी बेसिन जलमग्न हो गया, जिसके बाद बादल फटने से 04 अक्टूबर को अचानक बाढ़ आ गई, जिससे यह त्रादसी हुई। सिक्किम सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि 30 मृतकों में 19 सैन्यकर्मी शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि चार अक्टूबर को तड़के आई आपदा के बाद से सेना के कम से कम 23 जवान लापता हैं। एक सैनिक को जीवित बचा लिया गया और उसी दिन उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। सैन्यकर्मी गंगटोक से 27 किलोमीटर दूर पूर्वी सिक्किम के पाक्योंग जिले के थे, जहां एक सैन्य शिविर है।

मरने वालों में सेना के 19 जवान शामिल

41 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित

बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने 41,870 लोगों को प्रभावित किया है। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार देश के बाकी हिस्सों से कट चुके राज्य के कुछ इलाकों से 2,563 लोगों को बचाया गया है। लापता लोगों की तलाश जारी है। लापता लोगों में से पाकयोंग जिले के 78 लोग, गंगटोक के 23, मंगन के 15 और नामची के छह लोग लापता हैं।

मणिपुर में युवक को जिंदा जलाने का वीडियो सामने आया

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में रविवार को एक युवक को जिंदा जलाने का वीडियो सामने आया है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फ्रंट (आईटीएलएफ) के प्रवक्ता घिन्जा ने ये वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा कि वीडियो मई का है, लेकिन ये अभी सामने आया है। 7 सेकेंड के वीडियो में जिंदा युवक जलता हुआ दिखाई दे रहा है। आसपास कुछ आरोपियों के केवल पैर दिख रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड से गोलियों के चलने की आवाज भी आ रही है।

मंत्री के घर के गेट के पास ग्रेनेड फटा

उधर, इंफाल पश्चिम के सिंगजामेई में शनिवार देर रात ग्रामीण विकास मंत्री वाई खेमचंद के घर के गेट के पास ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इस हादसे में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने अपनी रिपोर्ट में दी जानकारी

भारत में मौसमी आपदाओं से 67 लाख बच्चे हुए बेघर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में जलवायु से जुड़ी बाढ़, सूखा और तूफान जैसी आपदाओं के कारण प्रति दिन औसतन 3,059 बच्चों को विस्थापन की पीड़ा सहनी पड़ती है।

यूनिसेफ के अनुसार, देश में 2016 से 2021 के बीच 67 लाख बच्चों को अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की नई रिपोर्ट 'चिल्ड्रन डिस्प्लेस्ड इन ए चेंजिंग क्लाइमेट' के मुताबिक, फिलीपीन (97 लाख बच्चे) के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जहां इन छह वर्षों में सबसे ज्यादा बच्चे विस्थापित हुए हैं। वहीं, चीन में 64 लाख बच्चे विस्थापित हुए। इस दौरान इन तीन देशों के कुल 2.3 करोड़ बच्चों को विस्थापन की पीड़ा सहनी पड़ी। रिपोर्ट में 2020 में आए चक्रवाती तूफान अम्फान का भी जिक्र किया है, जिसमें बांग्लादेश, भूटान, भारत और म्यांमार में करीब 50 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था, जिनमें बच्चों की संख्या ज्यादा थी। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो दुनिया में रोजाना औसतन 20 हजार बच्चे विस्थापित हो रहे हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2016 से 2021 के बीच 44 देशों में करीब 4.31 करोड़ बच्चों को घर छोड़कर अपने ही देश में किसी दूसरी सुरक्षित जगह शरण लेनी पड़ी। जब विस्थापित बच्चों की तुलना किसी देश में बच्चों की कुल आबादी से की जाती है तो डोमिनिका और वानुअतु जैसे छोटे द्वीपीय देशों में बच्चे तूफानों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इस लिहाज से बाढ़ से सबसे ज्यादा विस्थापित हुए बच्चे सोमालिया और दक्षिण सूडान के हैं।

प्रतिदिन 3059 बच्चों को सहना पड़ता विस्थापन का दंश

95 फीसदी तबाही का कारण बाढ़ व तूफान

रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में बच्चों के बढ़ते विस्थापन में बाढ़ और तूफान की बड़ी भूमिका है। न छह वर्षों में जितने भी बच्चे विस्थापित हुए हैं उनमें से 95 फीसदी मामलों में बाढ़ और तूफान जैसी मौसमी आपदाएं ही जिम्मेदार थीं। 2016 से 2021 के बीच बाढ़ के कारण 1.97 करोड़ और तूफान के कारण 2.12 करोड़ बच्चों को विस्थापन की मार झेलनी पड़ी। 40 फीसदी से ज्यादा बच्चे अपने मां-बाप से बिछड़ गए।

तमिलनाडु ने इज़रायली प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ाई

चेन्नई, एजेंसी। हमास और इजराइल के बीच चल रही झड़पों के मद्देनजर तमिलनाडु सरकार ने इजराइली प्रतिष्ठानों और यहूदी बस्तियों में सुरक्षा बढ़ाई। तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक शंकर जिवाल ने मीडियाकर्मियों को बताया कि डिंडीगुल के पास पहाड़ियों में एक यहूदी बस्ती और राज्य में अन्य इजरायली प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इजरायली पर्यटक हर साल सितम्बर से फरवरी के दौरान कोडाइकनाल के करीब एक बस्ती वट्टाकनाल का दौरा करते हैं और पुलिस इस क्षेत्र में अधिक सुरक्षा प्रदान करेगी। सूत्रों ने बताया कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए इलाके में पहले से ही सुरक्षा बढ़ा दी गई है। राज्य में इजरायली व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस हाल के दिनों में चेन्नई और राज्य के अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर उतरे इजरायली नागरिकों की संख्या का पता लगाने और सुरक्षा इंतजाम के तहत उनके स्थानों को ट्रैक करने के लिए आव्रजन अधिकारियों के संपर्क में है। सूत्रों ने यह भी कहा कि अन्य देशों में इजरायलियों पर संभावित हमले की रिपोर्ट के बाद इजरायली व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आवाजाही को प्रतिबंधित करते हुए पहुंच नियंत्रण उपाय लागू किए गए हैं।

मुख्यमंत्री को लेकर कूटरचित वीडियो जारी करने का आरोप

कांग्रेस नेता केके मिश्रा के खिलाफ भाजपा ने दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर केबीसी का कूटरचित एवं भ्रामक वीडियो ट्वीट करने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ के संयोजक अशोक विश्वकर्मा और सदस्य राहुल श्रीवास्तव ने क्राइम ब्रांच थाने पहुंचकर मय दस्तावेजों के साथ लिखित शिकायत की, जिसके आधार पर श्री मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई।

दरअसल, कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने रविवार सुबह अपने ट्विटर से एक वीडियो को केबीसी का बताकर जारी किया था। जांच पड़ताल में ये वीडियो फेक पाया गया। इसके बाद भाजपा हमलावर हो गई, पार्टी ने कहा कि मिश्रा ने साजिश के तहत वीडियो जारी किया, और जब झूठे ट्वीट को लेकर उनकी फजीहत हुई तो उन्होंने फर्जी वीडियो को हटा दिया।

सुनियोजित तरीके से अफवाह फैला रही कांग्रेस

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस का यह झूठ सामने आने से स्पष्ट है कि कांग्रेसी चुनाव में मिलने वाली करारी हार से हताश हैं, इसलिए कांग्रेस नेता लगातार झूठ एवं अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने इरादतन भ्रामक खबर फैलाई हो, बल्कि कांग्रेस सुनियोजित तरीके से अफवाह और झूठ फैलाती चली आ रही है।

दिग्विजय पर भी लगाया आरोप

भाजपा प्रवक्ता श्री चतुर्वेदी ने पहले भी एक चैनल के नाम से फर्जी ओपिनियन पोल साझा करते हुए दिग्विजय सिंह जीत का दावा कर रहे थे, बाद में उस चैनल ने ही उनके झूठ को उजागर कर दिया था। श्री चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह व कांग्रेस नेता कभी गलत सर्वे दिखाते हैं तो कभी प्रदेश में अराजकता की स्थिति बनें इसके लिए भड़काऊ पोस्ट करते हैं। भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिए कांग्रेस सोशल मीडिया पर रोज झूठ और अफवाह फैलाती है और पोल खुलने पर तुरंत अपना ट्वीट डिलीट कर देती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ और अफवाह के सहारे मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन मध्यप्रदेश में उनका यह झूठ चलने वाला नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने भाजपा सरकार को घेरा कहा

इंसान से लेकर भगवान तक के कामों में हुआ भ्रष्टाचार

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने एक बार फिर भाजपा सरकार को घेरा है, उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार द्वारा कराए गए कामों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है, जिसमें इंसान से लेकर भगवान तक को उन्होंने नहीं छोड़ा है। कांग्रेस नेत्री रागिनी ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि ये लोग अपनी असफलताओं और नाकामियों के लिए धर्म को, भगवान के नाम का ढाल के रूप में उपयोग करते हैं, वहीं वोट बटोरने के लिए धर्म को, ईश्वर को राजनीतिक हथियार बनाते हैं, लेकिन जब धर्म और आस्था की कसौटी पर परखा जाता है तो राम मंदिर के नाम का चन्दा तक खा जाते हैं। सर से पांव तक घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाते हैं। डॉ. रागिनी ने महाकाल लोक में महाघोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि मात्र 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चली हवाओं ने शिवराज सिंह सरकार के भष्टाचार और निर्लज्जता की पोल खोली दी थी। उन्होंने कहा कि सतना की स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत वेंकटेश लोक मंदिर के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य के तहत लगाए गए 8 करोड़ के टाईल्स महज 2 दिन में उखड़ गए। जनता की जेब तो काट ही रही है, भगवान के दरबार को भी नहीं बक्शा इस भ्रष्टाचारी कमीशनखोर सरकार ने। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कुछ समय पहले ही ओरछा के राम-राजा मंदिर में धर्म की आड़ में हुए भ्रष्टाचार के खुलासे को लेकर मंदिर के पुजारी का वीडियो बहुत वायरल हुआ। जिसमें उन्होंने सरकार के साथ ही पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। कांग्रेस नेत्री ने बताया कि एक स्थानीय आरटीआई कार्यकर्ता रामनरेश दास ने ये भंडाफोड़ किया 2017 में। एफआईआर की गई पर उस पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होने कहा कि नए पुलिस अधीक्षक के आने के बाद पुन: मामला चर्चा में आया है, लेकिन मामले को रफा-दफा करने का दबाव स्थानीय विधायक अनिल जैन डाल रहे हैं। रागिनी का यह भी आरोप है कि एक तरफ तो घपले, गबन, भ्रष्टाचार का मामला है, वहीं दूसरी तरफ राम राजा सरकार से आयकर विभाग ने नोटिस भेजकर एक करोड़ 22 लाख का हिसाब मांगा है, इस आय का रिटर्न भरने को कहा है।

प्रधानमंत्री मोदी को रावण बताने पर भाजपा ने दिग्विजय पर किया पलटवार, वीडी बोले

जनता ने पहले ही तय कर दिया है रावण और राम कौन है

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रावण बताने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने दिग्विजय सिंह को हिंदू विरोधी और सनातन विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इस देश की जनता ने पहले ही तय कर दिया है कि इस देश में रावण और राम कौन है? श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुशासन के साथ देश में लगातार काम कर रहे है, लेकिन दुर्भाग्य है कि दिग्विजय सिंह जैसे लोग उनका विरोध कर अपनी हिन्दू विरोधी मानसिकता को दर्शा रहे हैं। श्री शर्मा ने श्री सिंह पर आरोप लगाया कि वे हमेशा हिन्दुत्व को नीचा दिखाते हैं। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को रावण कहा था, श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गरीबों के जीवन को बदलने का काम किया है। भाजपा महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। कांग्रेस शासनकाल में महिला उत्पीड़न अधिक रहा है।

कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना

जातिगत जनगणना पर भाजपा सरकारें खामोश क्यों

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में जाति आधारित जनगणना की घोषणा के एक दिन बाद, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह ओबीसी, एससी, एसटी समुदायों के लिए नीतियां बनाने में सुनिश्चित करेगा। बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि इसे भगवा पार्टी शासित राज्यों में क्यों लागू नहीं किया गया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे पिछले साल राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ओबीसी के प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी और जाति आधारित जनगणना की मांग की थी। पार्टी के महासचिव संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, जब भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में थी, तो कई समुदायों के प्रतिनिधिमंडलों ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी। उस दौरान ओबीसी प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से जाति जनगणना के लिए मांग उठाई थी । राहुल गांधी ने उनकी बातों को बहुत गंभीरता से लिया।

नीतियां बनाने में मदद मिलेगी- उन्होंने कहा, अब राजस्थान सरकार ने उनकी भावनाओं के अनुरूप जाति आधारित सर्वेक्षण कराने का निर्णय लिया है। यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, सवाल यह है कि बीजेपी शासित किसी भी राज्य में ऐसी पहल क्यों नहीं की जा रही है और प्रधानमंत्री जाति जनगणना के मुद्दे पर चुप क्यों हैं? उनकी यह टिप्पणी राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में जाति सर्वेक्षण कराने का आदेश जारी करने के एक दिन बाद आई है।

सिक्किम में मानव जीवन को बचाना प्राथमिकता : अजय कुमार

गंगटोक, एजेंसी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने सिक्किम में बाढ़ की स्थिति को एक बड़ी त्रासदी बताते हुए कहा है कि मानव जीवन को बचाना अब प्राथमिकता है। मिश्रा ने एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। ताशिलिंग सचिवालय में विचार-विमर्श के दौरान मुख्य सचिव वीबी पाठक और राज्य सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीमा सड़क संगठन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, भारतीय सेना और राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मिश्रा ने अक्टूबर के बाद से राहत और पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी ली और मुख्य सचिव पाठक ने उन्हें जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की मांगें तुरंत पूरी की जाएंगी। मंत्री मिश्रा ने कहा कि सामान्य जीवन बहाल करने के लिए हमें (केंद्र और राज्य) मिलकर काम करना होगा। हम प्राथमिकताओं की पहचान पर काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता की आवश्यकताएं पूरी हों। उन्होंने स्थिति की देखभाल करने और प्रभावितों तक पहुंचने में सीएम पीएस तमांग के उत्साह और समर्पण की सराहना की। मिश्रा ने कहा कि अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने और जहां भी आवश्यक हो सहायता प्रदान करने के लिए गठित एक अंतर मंत्रालयी समिति रविवार से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने जा रही है।

राज्य मंत्री ने राज्य सरकार के अधिकारियों को जल्द से जल्द पुनर्निर्माण के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया।

बिहार में मंडी कानून लागू करे राज्य सरकार: टिकैत

पटना, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे। यहां वे सरकार के साथ-साथ कई किसान नेताओं से मुलाकात करेंगे। दिल्ली से पटना पहुंचे किसान नेता ने पटना एयरपोर्ट पर मीडिया कर्मियों से बातचीत में बिहार सरकार से मांग की कि राज्य में मंडी कानून लागू किया जाए। उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा बिहार के किसानों की जमीन हड़पने की साजिश को लेकर भी अपनी बात कही और आने वाले समय में किसानों के विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी। राकेश टिकैत ने कहा कि मेरा बिहार का 3 दिन का कार्यक्रम है। सबसे पहले बिहार में बाजार समिति लागू होनी चाहिए हजारों ट्रक यहां से रोज धान जाता है। यहां के किसानों को एमएसपी नहीं मिलती है, यह व्यवस्था बंद हो। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने किया कि यहां के किसान फसल पैदा करते हैं, लेकिन इनको उचित मूल्य मिले। बड़ी-बड़ी कंपनियां बिहार से फसल खरीदती हैं और बाहर जाकर ऊंचे दामों में बेचती हैं। यहां तीन दिन रुकूंगा और यहां के सिस्टम को देखूंगा। यहां मंडी सिस्टम लागू होनी जरूरी है और हम लोगों की पहली मांग है की मंडी कानून लागू किया जाए।

राष्ट्रीय स्तर पर जल गुणवत्ता निगरानी में जम्मू-कश्मीर दूसरे स्थान पर

राष्ट्रीय स्तर पर की उपलब्धि हासिल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर जल जीवन मिशन (जेजेएम) के साथ एक और उपलब्धि हासिल की है, जिसमें नल कनेक्शन के माध्यम से पीने के पानी की आपूर्ति के मामले में 70 फीसदी ग्रामीण घरों का कवरेज हासिल किया गया है। जम्मू-कश्मीर ने जल गुणवत्ता निगरानी और निगरानी के मामले में भी राष्ट्रीय स्तर पर नंबर दो का स्थान प्राप्त किया है। मिशन के तहत अब तक, 18.68 लाख ग्रामीण परिवारों में से 13.16 लाख (70 प्रतिशत) ने नल जल कनेक्शन के तहत कवरेज हासिल कर लिया है, जिससे संतृप्ति प्राप्त करने में तेजी से प्रगति हो रही है। जल जीवन मिशन यूटी का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को परिसर के भीतर कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान करना है, जो प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर के न्यूनतम सेवा स्तर पर पानी की आपूर्ति करने में सक्षम है और गुणवत्ता की पुष्टि करता है। विभाग के एक प्रेस हैंडआउट के अनुसार, 6600 कार्य घटकों में से, 5000 से अधिक घटक (76 प्रतिशत) जैसे ट्यूबवेल, बोर वेल्स, रैपिड सैंड फिल्ट्रेशन प्लांट, ओवर हेड टैंक, ग्राउंड सर्विस जलाशय और पाइप नेटवर्क शुरू हो गए हैं। इसी प्रकार, केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में 3000 से अधिक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनमें कार्यों को निष्पादित करने वाले लगभग 1700 ठेकेदार शामिल हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन भी हुआ है। समवर्ती रूप से, इस पैमाने और गति पर कार्यों को निष्पादित करते समय, जिला स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाइयों (डीपीएमयू), सलाहकारों/विशेषज्ञों की यूटी स्तरीय टीमों और तीसरे पक्ष के रूप में विभिन्न स्तरों पर एक मजबूत प्रबंधन और निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है। निगरानी एजेंसियां (टीपीआईए) जो बुनियादी डिजाइन और सेवाक्षमता आवश्यकताओं को प्रभावित किए बिना समयबद्ध तरीके से वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कुशल योजना, गुणवत्ता आश्वासन, प्रयासों के समन्वय, उचित/वैकल्पिक निर्माण प्रौद्योगिकी और सामग्रियों के उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सलाहकारों की यूटी स्तरीय टीम की मदद से और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई तकनीकी सलाह से, विभिन्न लागत प्रभावी और तकनीकी रूप से व्यवहार्य समाधान अपनाए गए हैं।

धीमी रेत निस्पंदन संयंत्र, स्रोतों में गंदगी के स्तर और घटना के आधार पर, स्थान के इष्टतम उपयोग के साथ डिजाइन किए गए हैं जो अन्यथा उनके निर्माण में एक बाधा थी। इसी प्रकार, कुछ क्षेत्रों में मितव्ययिता और गति प्राप्त करने के लिए, एसएमसी-जीएफआरपी पैनल जल भंडारण टैंकों का निर्माण और एचडीपीई पाइप वितरण प्रणाली बिछाने का विकल्प चुना गया है, जिसका उपयोग देश के अन्य हिस्सों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख आदि में किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने में विफल : फारूक

श्रीनगर, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष व सांसद फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को अफसोस जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र (संरा) दशकों से फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने में विफल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, युद्ध किसी भी पहलू में बुरा है और इससे लोगों को नुकसान ही होता है। यह सोचने की बात है कि संघर्ष के दौरान कितने इजरायली मारे गए और कितने निर्दोष फिलिस्तीनी मारे गए।

श्री अब्दुल्ला ने यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से संयुक्त राष्ट्र दशकों से लंबित फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने में विफल रहा है और निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर देकर कहा कि युद्ध किसी भी चीज का समाधान नहीं है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर कहा, दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के प्रति जागृत होने के लिए ऐसी मौत और विनाश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साल-दर-साल खामोशी कायम रखी जाती है क्योंकि निर्दोष फिलिस्तीनियों की हत्या कर दी जाती है और उनके घरों को नष्ट कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि फ़िलिस्तीन समस्या का समाधान करें ताकि शांति बनी रहे।

हत्या से जुड़े में मामले केके पाठक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

डेढ़ साल पुराने मामले में न्यायिक जांच शुरू

मुजफ्फरपुर/पटना, एजेंसी। बिहार के चर्चित और कड़क आईएएस अधिकारी केके पाठक की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। मुज़फ्फरपुर स्थित जिला न्यायालय में उनके विरुद्ध एक केस में न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। यह मामला हत्या से जुड़ा है। मर्डर के इस पुराने मुकदमे में केके पाठक पर संगीन आरोप लगे हैं जिसके तहत कोर्ट ने शनिवार को परिवादी का बयान दर्ज किया। दरअसल, मामला करीब डेढ़ साल पुराना है। 23 जनवरी 2022 को जब के के पाठक बिहार में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मुख्य सचिव हुआ करते थे उस दौरान एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग के दौरान मुजफ्फरपुर उत्पाद न्यायालय के स्पेशल पीपी बजरंग प्रसाद सिंह को उन्होंने काफी बुरा भला कह डाला था। मीटिंग अटेंड करने की रात ही बजरंग प्रसाद सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मुजफ्फरपुर के अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने बजरंग प्रसाद सिंह की मौत की वजह के के पाठक द्वारा प्रताड़ित करना बताते हुए सीजीएम कोर्ट में केस किया था जिसमें केके पाठक और अन्य के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। शनिवार को कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए परिवादी सुधीर कुमार ओझा का बयान दर्ज किया। इसके साथ ही कोर्ट ने अन्य गवाहों के बयान के लिए 8 नवंबर की तिथि मुकर्रर की है। मालूम हो कि केके पाठक वर्तमान में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं और अपने कड़े तेवर के कारण वो फिर इन दिनों सुर्खियों में हैं। शिक्षा विभाग की कमान मिलते ही उनकी भिड़ंत विभाग के मंत्री चंद्रशेखर से काफी लंबे समय तक चली थी जिसे सीएम के हस्तक्षेप से समाप्त कराया गया था।

सीबीआई की छापेमारी का उद्देश्य राजभवन आंदोलन से ध्यान भटकाना है : तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता, एजेंसी। रविवार सुबह से राज्य के मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम के आवास पर समेत अन्य स्थानों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों की छापेमारी राजभवन के सामने चल रहे तृणमूल कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन से ध्यान भटकाने की बीजेपी की कोशिशे हैं। यह बात राज्य की सत्ताधारी पार्टी के नेतृत्व ने कही है।

पश्चिम बंगाल में नगर पालिकाओं में नौकरी के बदले करोड़ों रुपये के घोटाले के सिलसिले में सीबीआई की छापेमारी के बीच, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी गुरुवार शाम से राज्यपाल आवास के सामने धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। मनरेगा जैसी विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत पश्चिम बंगाल सरकार को केंद्रीय बकाया जारी करने में केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया।

रविवार की सुबह फिरहाद हकीम और सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक मदन मित्रा के आवासों पर शुरू हुआ तलाशी अभियान कांचरापाड़ा, हलिसहर, बैरकपुर, दमदम, उत्तर में कम से कम दस अन्य स्थानों पर फैल गया।

तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाला आंदोलन सफल रहा है और इसलिए भाजपा काफी दबाव में है। राज्यपाल कोलकाता आने से बच रहे हैं और असहाय होकर भाग रहे हैं, इसलिए राज्यपाल के घर के सामने आंदोलन से ध्यान हटाने के लिए, भाजपा ने फिर से केंद्रीय एजेंसियों को तैनात किया है। एजेंसियां बीजेपी के लिए सिर्फ आत्मरक्षा हैं. लेकिन तृणमूल कांग्रेस को ऐसी सभी चीजों से दबाया नहीं जा सकता। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने भी एक एक्स (पूर्व में ट्विटर संदेश) जारी किया है जिसमें दावा किया गया है कि कोई भी राजनीतिक प्रतिशोध नेतृत्व को झुका नहीं पाएगा। भाजपा जमींदारों, क्या आप हमारा संकल्प देखते हैं? यह पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल है। धरने के इस चौथे दिन पर राजभवन में, हमारा धैर्य बरकरार है। आपकी राजनीतिक प्रतिशोध हमें रोक नहीं पाएगी। जब तक बंगाल के लोगों को उनका वाजिब हक नहीं मिल जाता, हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे।

जस्टिस एस मुरलीधर बोले

दिल्ली दंगा फैसले से सरकार नाराज क्यों थी, पता नहीं

- मेरी जगह कोई भी दूसरा जज होता तो यही आदेश देता
- भाजपा नेताओं पर एफआईआर में देरी पर जताई थी नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एस मुरलीधर ने कहा है कि उन्हें जानकारी नहीं है कि 2020 के दिल्ली दंगों को लेकर उन्होंने जो आदेश जारी किया था, उससे केंद्र सरकार क्यों नाराज हो गई। उन्होंने कहा कि मैंने जो आदेश दिया, मेरी जगह कोई भी दूसरा जज होता तो यही आदेश देता। दरअसल, जस्टिस मुरलीधर तब दिल्ली हाईकोर्ट में जज थे। उन्होंने दिल्ली में हुए दंगों में भड़काऊ बयान देने वाले तीन भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में देरी पर नाराजगी जताई थी। ये तीन नेता थे- अनुराग ठाकुर, परवेश वर्मा और कपिल मिश्रा। जस्टिस मुरलीधर ने पुलिस को आदेश दिया था कि 24 घंटे के अंदर एफआईआर दर्ज करने का फैसला लें। बेंगलुरु में आयोजित एक ऑनलाइन न्यूज पोर्टल के कॉन्क्लेव में उनसे पूछा गया था कि ऐसी चर्चाएं हैं कि अपने आदेश से आपने सरकार को नाराज किया और इसलिए आपको सुप्रीम कोर्ट का जज बनने का मौका नहीं मिला?

कोर्ट के दखल से बची थी कई जिंदगियां

इसके जवाब में मुरलीधर ने कहा, 'इसमें नाराज होने वाली क्या बात थी, इसे लेकर मैं भी उतना अनजान हूं, जितना आप हैं। मेरे पास कहने को और कुछ भी नहीं है। और इससे ज्यादा किसी बात से फर्क भी नहीं पड़ता है क्योंकि कई लोगों को लगा था कि मैंने जो किया वही सही था। बल्कि मुझे बाद में बताया गया कि मामले में कोर्ट के दखल देने के बाद कई जिंदगियां बचाई जा सकी थीं।'

जस्टिस मुरलीधर के फैसले

जस्टिस मुरलीधर 2009 में दिल्ली हाई कोर्ट की उस बेंच का हिस्सा रहे थे जिसने सबसे पहले धारा 377 को अपराध की श्रेणी से हटाया और एलजीबीटी समुदाय को अपनी सेक्सुअल पसंद की आजादी दी थी। दिलली हाई कोर्ट में रहते ही उन्होंने भीमा कोरेगाँव मामले में एक अक्टूबर 2018 को सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा को घर की नज़रबंदी से रिहा करने का निर्देश दिया था। तब आरबीआई बोर्ड के सदस्य और आरएसएस विचारधारा वाले एस गुरुमूर्ति ने ट्विटर पर जज पर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा था। इसके बाद गुरुमूर्ति पर अवमानना का केस चला था और इसे तब बंद किया गया जब उन्होंने बिना शर्त माफ़ी माँगी थी और अपनी टिप्पणी वापस ले ली थी। 2019 में जस्टिस मुरलीधर के नेतृत्व वाली बेंच ने हाशिमपुरा नरसंहार के मामले में उत्तर प्रदेश के 16 पूर्व पुलिसकर्मियों और सिख विरोधी दंगे के मामले में कांग्रेस के सज्जन कुमार को जेल भेजा था।

मुख्यमंत्री निवास घेरने जा रहे करणी सेना के कार्यकर्ता गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। करणी सेना ने 10 सूत्रीय मांगों को लेकर एक बार फिर भोपाल में प्रदर्शन किया। हालांकि प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री निवास घेराव करने जा रहे करणी सेना के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोक भी हुई।

करणी सेना के कार्यकर्ता रविवार को बड़ी संख्या में राजधानी के रातीबड़ क्षेत्र में जुटे। इन्होंने यहां पहले एक सभा की। इसके बाद दोपहर में मुख्यमंत्री निवास का घेराव के लिए निकले। लेकिन पुलिस ने इन्हें नीलबड़ चौराहे के पास रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में नोकझोंक हुई और कार्यकर्ता यहां बेरिकेड्स हटाकर आगे बढ़ गए तो पुलिस ने करणी सेना को थोड़ी ही दूरी पर बेरिकेडिंग कर फिर से रोक दिया। इसके बाद भी प्रदर्शनकारी आगे जाने की बात पर अड़े रहे तो बाद पुलिस ने करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग प्रताप सिंह समेत करीब 100 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, देर रात उन्हें रिहा कर शहर के बाहर छोड़ दिया गया।

इससे पहले सभा को संबोधित करते हुए करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग प्रताप सिंह राघव ने कहा कि हम पहले 2 आंदोलन कर चुके हैं। तब केवल आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त करा दिए गए थे। उसके बाद भी कोई निर्णय नहीं लिया गया। अब हमने फिर 10 सूत्रीय मांगें मुख्यमंत्री तक पहुंचाई है। हमने स्पष्ट कर दिया है कि हमारी लड़ाई प्रशासन से नहीं है। अनुशासन पूर्वक मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने जा रहे हैं। प्रशासन ने हम पर लाठी चार्ज किया तो हम वादा करते हैं सरकार को बैसाखी पर लाकर छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कांग्रेस ने भी कभी हमारा साथ नहीं दिया। आज से हमारी असल लड़ाई शुरू है।

पुलिस ने करणी सेना के प्रदर्शन को देखते हुए नीलबड़ से भदभदा चौराहे तक जगह-जगह बैरीकेड लगाए थे। मौके पर आला अधिकारियों समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया था।

सर्व ब्राह्मण युवा समिति अध्यक्ष ने मुंडन कराकर जताया विरोध

भोपाल, देशबन्धु। शहर के भेल जंबूरी मैदान पर चार जून को हुए ब्राह्मण समाज के महाकुंभ मुख्यमंत्री ने ब्राह्मण समाज की मांगों को जल्द पूरा करने का भरोसा दिलाया था, जो चार महीने बाद भी पूरी नहीं हुई हैं। इसी के विरोध में रविवार को सर्व ब्राह्मण युवा समिति के प्रदेशाध्यक्ष पंडित रामनारायण अवस्थी ने शिवाजी नगर श्री परशुराम मंदिर प्रांगण में मुंडन कराया।

पंडित अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ब्राह्मण कल्याण बोर्ड का गठन करने की बात कही थी, जो नहीं कराया। इसके अलावा सरकार की अंतिम कैबिनेट में जिन मंदिरों की जमीन नहीं हैं, उनके पुजारियों के लिए पांच हजार महीना देने की घोषणा, संस्कृत विद्यालय में ब्राह्मण बच्चों को पहली से पांचवीं तक आठ हजार रुपये देने, छठवीं से 12वीं तक 10 हजार रुपये, पाठ्क्रम में भगवान श्री परशुराम की जीवनी शामिल करने की घोषणाएं भी पूरी नहीं हुई। इसी के विरोध में मुंडन कराने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे भाजपा के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान नहीं करेगा। उम्मीदवारों के प्रचार में भी ब्राह्मण समाज के लोग शामिल न हो, इसकी अपील प्रदेश भर के ब्राह्मण समाज से की जाएगी।

ब्राह्मण समाज की मांगें नहीं मान रहे

इससे पहले श्री परशुराम मंदिर में रविवार सुबह ब्राह्मण समाज की बैठक हुई। इसमें समाज के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में इस बात को लेकर चिंता प्रकट की गई कि ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ छल हो रहा है। मुख्यमंत्री अन्य समाज की मांगें तो पूरी कर रहे हैं, लेकिन ब्राह्मण समाज की नहीं कर रहे हैं। सर्व ब्राह्मण युवा समिति ने चेतावनी दी कि इसका परिणाम भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

घर में घुसकर विवाहिता से किया दुष्कर्म

आरोपी के दोस्त ने भी ब्लैकमेल कर किया शारीरिक शोषण

भोपाल, देशबन्धु। जिले की बैरसिया तहसील के एक गांव में विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया गया है कि आरोपी महिला का पड़ोसी है। उसने दो माह पहले महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इसके बाद भी वह महिला को बदनाम करने की धमकी देकर उसका दैहिक शोषण कर रहा था। इसके बारे में आरोपी के एक दोस्त को पता चल गया तो उसने भी महिला को ब्लैकमेल कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आखिरकार महिला ने तंग आकर आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत कर दी।

बैरसिया थाना प्रभारी नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि 25 वर्षीय महिला गृहणी है और बैरसिया के एक गांव की रहने वाली है। उसका पति निजी काम करता है। इसी सिलसिले में उसे कई बार बाहर जाना पड़ता है। 11 अगस्त को महिला का पति बाहर गया हुआ था और महिला अपने घर पर अकेली थी। उसी दौरान पड़ोस में रहने वाला विपिन मीणा रात करीब पौने 12 बजे उसके घर में घुस गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध किया, लेकिन आरोपी ने उसे डरा-धमकाकर चुप करा दिया। बाद में भी वह महिला को धमकाकर लगातार उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। कुछ दिन पहले विपिन के दोस्त अमित धाकड़ को इसके बारे में पता चला, तो वह भी महिला के घर पहुंच गया और उसे बदनाम करने की धमकी देकर जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद महिला थाने पहुंची और दुष्कर्म की धाराओं में प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

अपहृत किशोरी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया

बैरसिया, देशबन्धु। बैरसिया थाना पुलिस ने एक सप्ताह पहले अपहृत किशोरी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैरसिया निवासी एक व्यक्ति ने गत 30 सितम्बर थाने में शिकायत कराई थी कि उसकी नाबालिक लडकी मोनिका (परिवर्तित नाम) को कोई अज्ञात व्यक्ति अपहरण कर ले गया है। इस रिपोर्ट पर थाना बैरसिया मे अपहरण का मामला पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार थाना प्रभारी नरेन्द्र कुलस्ते के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन किया गया। प्रकरण की विवेचना के दौरान पता चला कि लडकी मीना बाजार बैरसिया मे काम करती थी। उसी दुकान पर विदिशा का रहने वाला अभिषेक मालवीय भी काम करता था, जो अपहरण दिनांक से दुकान पर काम करने नही आ रहा था। इस पर पुलिस टीम द्वारा संदेही अभिषेक की विदिशा मे दबिश दी गई। अभिषेक को पुलिस की भनक लगने पर वह फरार होने मे कामयाब रहा तथा उसके घर से नाबालिक लडकी मोनिका को दस्तयाब कर उससे पूछताछ करने के उपरांत परिजनो को सुपुर्द किया गया। आज मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि अभिषेक महामाई के पढार बसई बैरसिया के पास बिना नम्बर की मोटर साईकिल पर दिखाई दिया है। इस पर थाना प्रभारी बैरसिया द्वारा त्वरीत कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर रवाना किया गया। पुलिस टीम ने यहां घेराबंदी कर आरोपी अभिषेक मालवीय पिता इमरत मालवीय उम्र 24 साल निवासी मुखर्जी नगर विदिशा को गिरफ्त में ले लिया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नरेन्द्र कुलस्ते, उनि रिंकू जाटव, सउनि राजेश दुबे, सउनि उमाशंकर शर्मा, प्रआर0 मुस्ताक अहमद (साइबर सेल) आर. डालचंद, एवं नगर रक्षा समिति सदस्यो का योगदान रहा।

तीसरी रेलवे लाइन के कार्य के चलते

जनशताब्दी, इंटरसिटी और पातालकोट सहित 42 ट्रेनों को किया निरस्त

भोपाल, देशबन्धु। अगर आप 13 से 28 अक्टूबर के बीच रेल सफर करने वाले हैं तो जान लीजिए कि भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली 42 ट्रेनों को रेलवे ने अलग अलग तिथियों पर निरस्त किया है। इसमें जनशताब्दी, इंटरसिटी , इंदौर पंचवेली, पातालकोट, श्रीधाम, बिलासपुर व हमसफर एक्सप्रेस जैसी ट्रेन शामिल हैं।

भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता सूबेदार सिंह ने बताया कि बुदनी-बरखेड़ा के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते रेलवे ने यह निर्णय लिया है। यह कार्य तीसरी रेल लाइन कार्य के अंतर्गत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्य के चलते इंदौर-सिवनी पंचवेली एक्सप्रेस 15 से 27 अक्टूबर तक तथा 19344 छिंदवाड़ा-इंदौर पंचवेली एक्सप्रेस 16 से 28 अक्टूबर तक, एलटीटी-रानी कमलापति एक्सप्रेस 26 अक्टूबर को तथा रानी कमलापति-एलटीटी एक्सप्रेस 27 अक्टूबर को, एलटीटी-रानी कमलापति एक्सप्रेस 26 अक्टूबर को तथा रानी कमलापति-एलटीटी एक्सप्रेस 27 अक्टूबर को, रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 से 27 अक्टूबर तक तथा जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस 16 से 28 अक्टूबर तक, जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधामएक्सप्रेस 15 से 27 अक्टूबर तक तथा हजरत निजामुद्दीन -जबलपुर श्रीधामएक्सप्रेस 16 से 28 अक्टूबर तक, बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 14 से 25 अक्टूबर तक तथा भोपाल- बिलासपुर एक्सप्रेस 16 से 27अक्टूबर तक, बिलासपुर- इंदौर एक्सप्रेस 14 से 26 अक्टूबरत तथा इंदौर- बिलासपुर एक्सप्रेस 15 से 27 अक्टूबर तक, रानी कमलापति-अधारताल- इंटरसिटी एक्सप्रेस 25 से 27 अक्टूबर तक दोनों दिशाओं में निरस्त रहेगी।

वहीं बीना-कटनी मुड़वारा-बीना मेमू स्पेशल15 से 27 अक्टूबर तक, हैदराबाद डेकन नामपल्ली - गोरखपुर जंक्शन एक्सप्रेस 13 एवं 20 अक्टूबर को तथा गोरखपुर - हैदराबाद डेकन नामपल्ली एक्सप्रेस 15 एवं 22 अक्टूबर को, फिरोजपुर छावनी जंक्शन-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस14 से 27 अक्टूबर तक तथा सिवनी-फिरोजपुर छावनी जंक्शन पातालकोट एक्सप्रेसक 15 से 28 तक, गोरखपुर-महबूबनगर एक्सप्रेस 14 एवं 21 अक्टूबर को तथा महबूबनगर - गोरखपुर एक्सप्रेस 16 एवं 23 अक्टूबर को, हिसार-तिरुपति एक्सप्रेस 14 एवं 21 अक्टूबर को तथा तिरुपति-हिसार एक्सप्रेस 17 एवं 24अक्टूबर को, हैदराबाद डेकन नामपल्ली-जयपुर एक्सप्रेस 16 से 25 अक्टूबर तक तथा जयपुर-हैदराबाद डेकन नामपल्ली एक्सप्रेस 18 से 27 अक्टूबर तक, डॉ अम्बेडकर नगर ङ्कनागपुर एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को तथा नागपुर-डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस 25अक्टूबर को निरस्त रहेगी।

उधर एलटीटी-हरिद्वार एक्सप्रेस 16 से 26 अक्टूबर तक तथा हरिद्वार -एलटीटी एक्सप्रेस 17 से 27 अक्टूबर तक, भुसावल-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 15 से 24 अक्टूबर तक तथा हजरत निजामुद्दीन-भुसावल एक्सप्रेस 13 से 22 अक्टूबर तक, भगत की कोठी - तिरुच्चिरापल्ली हमसफर एक्सप्रेस 18 एवं 25 अक्टूबर को तथा तिरुच्चिरापल्ली - भगत की कोठी हमसफर एक्सप्रेस 21 एवं 28. अक्टूबर को , रोयापुरम-पटेल नगर एक्सप्रेस 15 से 25 अक्टूबर तक तथा पटेल नगर -रोयापुरम एक्सप्रेस 18 से 28 अक्टूबर तक, कोयम्बटूर नार्थ-पटेल नगर एक्सप्रेस 14 से 21 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या पटेल नगर -कोयम्बटूर नार्थ एक्सप्रेस 18 से 25 तक, यशवंतपुर-तुगलकाबाद एक्सप्रेस दिनांक 14 से 24 अक्टूबर तक तथा तुगलकाबाद -यशवंतपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस 18 से 28 अक्टूबर तक सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु-ओखला एक्सप्रेस 15 से 22 अक्टूबर तक तथा ओखला -सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस 18 से 25 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी।

दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिता में दिखाया हुनर

भोपाल, देशबन्धु। आम लोग की नजर में सहानुभूति के पात्र, लेकिन मन में कुछ कर गुजरने के जज्बे को लेकर प्रदेश के करीब डेढ़ हजार दिव्यांग बच्चों ने भोपाल के टी टी नगर स्टेडियम में अपने हुनर का प्रदर्शन कर मौजूद लोगों का मन मोह लिया। मौका था रोटरी क्लब भोपाल मिडटाउन द्वारा आयोजित शीतकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का।

इस प्रतियोगिता में विदिशा, खरगोन, राजगढ़, होशंगाबाद, भोपाल, रीवा, जबलपुर, इंदौर, देवास, शुजालपुर , नरसिंगगढ़, नागदा से विभिन्न श्रेणी के डेढ़ हजार दिव्यांग बच्चे भाग लेने आए। इन्होंने स्पेशल ओलंपिक मापदंड के अनुसार दौड़, रिले दौड़, हिट द बाल, कैरम, पावर ऑफ रिस्ट, शॉटपुट प्रतियोगिताओं के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भी भागीदारी की। प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए। इस अवसर भोपाल के सभी रोटरी क्लब के सहयोग सेचित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया । यह आयोजन सभी दर्शकों के लिए खुला रखा गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान, जिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. प्रभाकर तिवारी, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के डीजीई अनीश मलिक, डीजीएन सुनील मल्होत्रा वर्तमान डीजी रितु ग्रोवर, पीजीडी गजेंद्र नारंग, आलोक बिल्लौर ,जिनेंद्र जैन, कर्नल महेंद्र मिश्रा पीडीजी रोटेरियन धीरन दत्ता, जीके छिब्बर प्रमुख रूप से उपस्थित थे । इस कार्यक्रम में एशियाई दिव्यांग खेलों में भाग लेने वाले भी कई प्रतिभागी भी शामिल हुए। भोपाल रोटरी क्लब मिड टाउन के अध्यक्ष आभास जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में आने वाले सभी प्रतिभागियों का विशेष रूप से ध्यान रखा गया। सुविधा क्लब की ओर से उन्हें आवास और परिवहन की उपलब्ध कराई गई। प्रतियोगिता के अध्यक्ष संजय निगम ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और उपहार भोपाल के 20 क्लबों की ओर से उपलब्ध कराए गए । इस अवसर पर खेल प्रतियोगिता की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब भोपाल मिडटाउन के सुनील भार्गव, अमित तनेजा, हंसराज मुटरेजा, पुष्कर भाटी, राजेश नामदेव, विनोद तिवारी, वीरेंद्र गुर्जर, हेम सिंह गुर्जर, तरुणा तनेजा, नीतू तिवारी, रूचिता अग्रवाल, श्रीमती शोभा भार्गव, श्रीमती प्रीति उपाध्याय, शुभ्रांशु उपाध्याय सहित विभिन्न रोटरी क्लबो के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खाद्य लाइसेंस और पंजीयन लेना जरूरी

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत समस्त प्रकार के छोटे-बड़े खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य लाइसेंस एवम पंजीयन लेना कानूनन अनिवार्य है। बिना लाइसेंस, पंजीयन के खाद्य कारोबार करने पर 6 माह की सजा एवं अधिकतम 2 लाख रूपये तक जुर्माने का प्रावधान है। खाद्य कारोबारकर्ता जो सालाना 12 लाख रूपये से अधिक का खाद्य कारोबार करते हैं उन्हें लायसेंस लेना है, जिसके लिये 2 हजार रूपये का शुल्क प्रतिवर्ष निर्धारित किया गया है। लायसेंस एवं पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज नक्शा, आधार कार्ड की फोटोकापी, दुकान के पते का दस्तावेज, बिजली बिल साथ में लाना होगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं जैद हसन (Zaid Hasan) पुत्र श्री फरुके शैख (Farooque Shaikh) आयु वसस्क निवासी मकान नं. 41, रजत नगर, ईस्ट कमला नगर, नियर निजामुद्दीन कॉलोनी वार्ड नं. 67 हुजूर भोपाल म.प्र.-462022 शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूं कि मैं उपरोक्त पता मकान नं. 41 रजत नगर, ईस्ट कमला नगर नियर निजामुद्दीन कॉलोनी, वार्ड नं. 67, हुजूर भोपाल, म.प्र. 462002 पर निवासरत हूं। मेरा नाम जैद हसन (Zaid Hasan) पुत्र फरुके शैख (Farooque Shaikh)है, जो कि मेरे आधार कार्ड एवं मुझसे संबंधित दस्तावेज में दर्ज है। जो कि सही व सत्य है, किन्तु मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम शैख जैद हसन (Shaikh Zaid Hasan) पुत्र श्री फारुक अनवर हुसैन शैख (Farook Anwar Husaln Shaikh) त्रुटिवश अंकित हो गया है। उपरोक्त मेरा नाम जैद हसन (Zaid Hasan) एवं शेख जैद हसन (Shaikh Zaid Hasan) मेरे स्वयं के है अर्थात एक ही व्यक्ति के नाम है। उपरोक्त नामों के संबंध में भविष्य में कोई वाद-विवाद होता है तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथ ग्रहिता

संत निरंकारी सत्संग भवन में रक्तदान शिविर सम्पन्न

संत हिरदाराम नगर, देशबन्धु। संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तहत जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा एवं संयोजक महेश वीधानी के मार्गदर्शन में संत निरंकारी सत्संग भवन में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया । शिविर में सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लग गई थी और यह सिलसिला शाम तक जारी रहा। इस दौरान सवा 5 सौ से ज्यादा रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पीड़ित मानवता की सेवा की। शिविर की व्यवस्था संयोजक महेश वीधानी, संचालक अशोक नाथानी, सहायक संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कृपलानी, शिक्षिका सुषमा ग्वालानी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी, लक्ष्मणदास नाथानी, पुरषोत्तम मूलानी सहित सेवा दल के भाई - बहनों द्वारा की गई । इस दौरान शहर के समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक विशेष रुप से उपस्थित थे।

कार्यालय मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगर पालिका परिषद, राधौगढ़ विजयपुर

जिला गुना (म.प्र.)

क्रमॉक/1443/ ईनिविदा/2023-24 राधौगढ़ दिनॉक 06.10.23

निविदा विज्ञप्ति क्रमॉक 30 / ई - निविदा / नप राधौगढ़ जिला, गुना / 2023-24

द्वितीय आमंत्रण

निविदा विज्ञप्ति सूचना निम्नलिखित अमृत 2.0 योजना अंर्तगत निर्माण कार्य हेतु नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत ऑन लाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। अत: जो ठेकेदार इस कार्य को करने हेतु इच्छुक हों वे अपनी-अपनी ऑनलाइन निविदाऐं आयटम रेट म.प्र.न.प. एस. ओ.आर. दिनांक 02.08.2021 से प्रभावशील दर पर कम / अधिक / एटपार प्रतिशत दर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क.	टेंण्डर नम्बर	कार्य का नाम	पी. ए.सी. (लाख) ई. एम. ड़ी (रू.) निविदा प्रपत्र की राशि	निविदा प्रपत्र खरीदने की अतिम तिथि	1. कार्य की समय अवधि 2. आमंत्रण
1	2	3	4	5	6
1	2023_UAD_304274_2	नगरपालिका क्षेत्र में डवलपमेन्ट आफ ग्रीन स्पेस राघौगढ़ पार्क, राघौगढ़ अमृत 2.0 योजना अंर्तगत अन्य निर्माण कार्य। Horticulture works Paving works Boundary wall and entrance gate Lighting and electrical works CHILDREN PLAY EQUIPMENT OPEN AIR GYM EQUIPMENT BOREWELL WITH MOTOR RECHARGE PIT	रू. 59.43 लाख रू. 44759 / केवल रू.10000/-	20.10.2023	1.06 माह 2. द्वितीय आमंत्रण

1. टैण्डर कय करने एवं ड़ालने की अंतिम तिथि 20.10.2023 सॉय 5.30
2. टैण्डर खोलने की तिथि 21.10.2023 सॉय 5.30

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद.
राधौगढ़ जिला गुना (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद
राधौगढ़ जिला गुना (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिक विभाग (मुख्यालय) गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल.)

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्रं. 403 यां.वि. / 2023 भोपाल दिनांक 6.10.2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आंमत्रित की जाती ळें

क्रं.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	कार्य की अवधि
01	2023_UAD_315616_1	Construction of Drain, Road Cross And C C work At Old Silli khana and Construction of boundary wall At Aahata Kallha sahah Kabrishtaan barkhedi Ward 35 Zone 09	719691 /-	02 months

1. Interested bidders can view the NITon website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 15:30A.M. (time) 06.10.2023 (date) to 17:30P.M. (time) 20.10.2023 (date)
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

नि.क्र.1184/023/024

भोपाल, सोमवार 9 अक्टूबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

रोकना होगा इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध

लगभग पौने दो वर्षों से दुनिया रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के रुकने का बेसब्री से इंतज़ार कर ही रही है, वहीं उसके सामने एक और बड़ी लड़ाई आकार लेती हुई नज़र आ रही है। फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास द्वारा शनिवार के तड़के केवल 20 मिनटों में इजराइल पर पांच हजार रॉकेट दाग दिये गये। इससे इजराइल व गाजा पट्टी में 500 लोगों के मरने की खबर है, जिनमें 26 इजराइली सैनिक हैं। दक्षिणी इजराइल के बिर्शेबा नामक शहर में 750 इजराइली नागरिक घायल हुए हैं। अनेक बेहद गम्भीर है। इसका जवाब देते हुए इजराइल ने गाजा पट्टी के 17 फिलिस्तीनी मिलिट्री शिविरों और चार सेना मुख्यालयों पर बड़ा हमला बोल दिया। दक्षिणी लेबनान पर उसने बम बरसाए हैं। इससे करीब 200 फिलिस्तीनियों की मौत हुई तथा डेढ़ हजार से भी अधिक लोग घायल हुए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि 'उनका देश युद्ध में शरीक हो गया है।' अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि पश्चिमी देशों के साथ यूरोपियन यूनियन ने इजराइल का समर्थन किया है। दूसरी तरफ ईरान ने हमास को इस हमले के लिये बधाई देते हुए उसे आश्वस्त किया है कि इजराइल के खिलाफ लड़ाई में वह फिलिस्तीन व यरूशलम की आजादी तक उसका साथ देगा।

अरब देशों के साथ इजराइल की लड़ाई का इतिहास करीब एक सदी पुराना है, यानी इजराइल को स्वतंत्र देश बनने के भी पहले से। अनेक बार इजराइल अपने मुस्लिम बहुल 8 पड़ोसी मुल्कों से उलझता रहा है जिस दौरान इनके बीच कई जंगें हो चुकी हैं। हालांकि 1978 के मध्य में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निमंत्रण पर तब के इजराइली पीएम मेनाकेम बेगिन एवं एक युद्धरत देश मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात के बीच कैंप डेविड में शांति समझौता हुआ था लेकिन अन्य देशों के साथ ऐसा कोई माहौल कभी नहीं बन पाया। इन देशों के साथ इजराइल के हुए अनेक छोटे-बड़े संघर्षों ने फिलिस्तीन को अपनी जमीन खोने पर मजबूर ही किया। जहां तक ताज़ा लड़ाई की बात है, तो इसके आसार इस साल के अप्रैल से बनने लगे थे जब इजराइली पुलिस ने अल अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंककर इसे अपवित्र किया था। इस धर्म स्थल पर दोनों (इजराइल-फिलिस्तीन) अपना हक जताते हैं। यहूदी इसकी पश्चिमी दीवार को यहूदी मंदिर का अंतिम अवशेष मानते हैं तो वहीं फिलिस्तीनियों की मान्यता है कि यह अल बराक मस्जिद की दीवार है। उनके लिहाज से मक्का व मदीना के बाद यह मुस्लिमों के लिये सबसे पवित्र स्थान है। 1970 के दशक में एक समझौता हुआ था कि गैर मुस्लिम यहां आ सकते हैं परन्तु वे कोई धार्मिक अनुष्ठान नहीं कर सकेंगे। पिछले दिनों इसलिये विवाद भड़का क्योंकि यहां आकर कुछ यहूदियों ने पूजा करने की कोशिश की थी। हमास ने यह आक्रमण ऐसे दिन पर (शनिवार को) बोला जब यहूदियों का पवित्र त्यौहार सिमचैट टोरा मनाया जा रहा था। इजराइल इन दिनों अपने अंदरूनी विवादों में भी व्यस्त है। सरकार द्वारा न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती करने वाले कदमों के खिलाफ वहां जन आंदोलन जारी हैं। इतना ही नहीं, 6 अक्टूबर को 1973 के युद्ध की 50वीं वर्षगांठ भी थी।

वैसे तो युद्ध की स्थिति तक पहुंचने के कई कारण हैं लेकिन इसके सम्भावित परिणामों पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध में नाटो के तहत जो तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं वे इजराइल के भी साथ हैं। इसके कारण एक बार फिर से दुनिया के देश ईसाई और मुस्लिम खेमों में बंट जायेंगे। ईसाई देशों का समर्थन स्वाभाविकत: इजराइल के साथ है तो वहीं मुस्लिम देश फिलिस्तीन के साथ हैं। इसमें भी जिस प्रकार से ईरान ने खुलकर हमास द्वारा किये गये हमलों का स्वागत किया है, अगर वह फिलिस्तीन के समर्थन में बाकायदे लड़ाई के मैदान में उतर आता है तो स्थिति विकट हो सकती है। तुर्किए भी फिलिस्तीन को समर्थन दे सकता है तो वहीं चीन का झुकाव भी फिलिस्तीन की ही ओर होगा। भारत ने इजराइल के साथ एकजुटता दिखलाई है। मध्य पूर्व के इन देशों के पास खतरनाक हथियारों के ज़खीरें हैं। स्वयं हमास, जिसकी गतिविधियां संचालित करने का केन्द्र गाजा पट्टी है, ड्रोन और रॉकेटों से हमले करने में सक्षम है।

यूक्रेन की लड़ाई बहुत लम्बे समय तक न चलने के अनुमान लगाए गए थे लेकिन अब इस लड़ाई को पौने दो वर्ष होने को आए हैं, तो भी कोई संकेत दिखलाई नहीं पड़ रहे हैं कि यह थमेगा। इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर कैसा पड़ा है- यह सभी देख रहे हैं। ऐसे में अगर दुनिया को एक और युद्ध झेलना पड़े तो वह उसे झेल नहीं पाएगा। युद्ध केवल परस्पर विरोधी देशों के सैनिकों के बीच का ही मसला नहीं होता बल्कि इससे निर्दोष नागरिकों को ज्यादा तकलीफें उठानी पड़ती हैं। हमास के व इजराइली हमलों में जनसामान्य को जान-माल की हानि उठानी पड़ी है। हमास की अंधाधुंध फायरिंग में कई लोग मारे गये तथा महिलाओं को निर्वस्त्र कर उन्हें पैरों से रौंदा गया है। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। उनमें से कई जीवन भर के लिये अपाहिज हो सकते हैं या आजीवन शारीरिक तकलीफों से गुजरेंगे। विकास के लिये शांति ज़रूरी है और युद्ध विकास का अवरोध है। यह समग्र मानवता के खिलाफ है। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं वरन अपने आप में समस्या है। दुनिया के सभी शांतिप्रिय देशों व नागरिकों को चाहिये कि वे इस लड़ाई को रुकवाएं। राष्ट्र संघ को तत्काल आवश्यक कदम उठाते हुए युद्धरत दोनों देशों को वार्ता की टेबल तक लाना चाहिये।

इजराइल के समर्थन के बहाने देश में नफरत को बढ़ावा!

देश की सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा सिर्फ इजराइल का इकतरफा समर्थन ही नहीं कर रही है बल्कि इस बहाने देश में नफरत और विभाजन को और बढ़ावा भी दे रही है। उसने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें वह घटनाओं को इस तरह दिखा रही है जिससे राजनीतिक रूप से कांग्रेस के खिलाफ माहौल बने और धार्मिक रूप से मुसलमानो के खिलाफ।

इजराइल के मामले में नेहरू से लेकर इन्दिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी की भी एक ही नीति थी कि इजराइल ने अरब देशों की जमीन पर अवैध कब्जा किया है जो उसे खाली करना होगा। अभी तक मोदी सरकार भी फिलिस्तीन का समर्थन करती थी। वहां के मामले में संतुलित रूख अपना रही थी।

मगर अब जातिगत जनगणना के बाद पिछड़ों में आए फिर से उभार के बाद उसने अचानक अपनी नीति बदल ली। प्रधानमंत्री मोदी ने खुल कर इजराइल का समर्थन कर दिया। और उनकी पार्टी भाजपा ने इसके बहाने मुस्लिम विरोध का नया अभियान शुरू कर दिया।

इजराइल-फिलिस्तीन समस्या अलग है मगर इसके बहाने भाजपा और दूसरे साम्प्रदायिक लोगों की राजनीति अलग। अन्ना हजारे के साथ झूठ का एक आन्दोलन चला भाजपा को सत्ता में लाने वाले कुमार विश्वास जैसे लोग अन्तरराष्ट्रीय स्थिति के बहाने सीधे भारतीय मुसलमानों पर सवाल उठाने लगे। आश्चर्यजनक रूप से ओबीसी की राजनीति कर रहे कुछ लेखक पत्रकार सोशल मीडिया के इनफ्लूएंसर (प्रभावित करने वाले) भी मुसलमानों को टारगेट करने लगे। यह लोग देवरिया में तो प्रेमचंद यादव के परिवार के साथ हैं। मगर दूसरी तरफ अडानी के भी, मणिपुर के मामले में सरकार की चुप्पी के भी, ब्रजभूषण शरण सिंह के भी और वहां इजराइल के साथ भी हैं।

जातिगत जनगणना करवाने की सबसे जोरदार मांग राहुल गांधी की थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उसे करवा भी दिया। जाहिर है यह ओबीसी के राजनीतिक सशक्तिकरण में सबसे ज्यादा फायदेमंद होगी। लेकिन फिलहाल तो ओबीसी के तथाकथित बुद्धिजीवी लोग- आएगा तो मोदी ही- का माहौल बनाने में लगे हुए हैं। उनके लिए मुसलमान से नफरत सबसे जरूरी चीज है। यही भाजपा के लिए भी है। इसलिए उसने महिला बिल में ओबीसी महिलाओं को जगह नहीं दी क्योंकि वह जानती है कि मुसलमान विरोध के चलते ओबीसी अपनी महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण पर ध्यान नहीं देगा। बल्कि इजराइल-फिलिस्तीनियों को कैसे मारे इस पर ही ध्यान लगा कर रखेगा।

नफरत और विभाजन की राजनीति ने देश में किस तरह जहर भर दिया है यह रोज-रोज नए -नए रूपों में सामने आ रहा है। मगर कोई सोचने वाला नहीं है। हर चीज को मुस्लिम विरोध की तरफ मोड़ दो यही सोच बना हुआ है। मगर यह समस्या का हल नहीं है। नफरत और विभाजन के जहर का प्रवाह आप नियंत्रित नहीं कर सकते।

अभी देवरिया में जो हुआ और उसके बाद जिस तरह जातीय विभाजन हुआ उसमें आप मुसलमान एंगल चाहकर भी नहीं जोड़ सकते। मणिपुर में बहुत कोशिश की मगर वहां कोई मुस्लिम एंगल नहीं है। ब्रजभूषण शरण सिंह के मामले में नहीं है। किसान आंदोलन में नहीं था। वास्तव में यह कहीं नहीं है। मगर मुसलमान के खिलाफ माहौल बनाकर 80 प्रतिशत लोगों को एक करने की राजनीति के लिए यह बनाया जाता है।

शकील अख्तर

> प्रेम, भाईचारे, मेल-मिलाप से ही इतनी विविधताओं वाला यह देश एक रहा है। आगे बढ़ा है। अभी जातिगत जनगणना में देखा कि कितनी जातियां हैं! याद रखना मुश्किल है। इनके बीच समानता बराबरी के अधिकार देने से ही बात बनेगी। देवरिया जैसा विभाजन करने से तो नहीं! अगर हर जगह राहुल के शब्दों में इतना केरोसिन नहीं छिड़का होता तो देविरया में और उसके बहाने पूरे प्रदेश और उसके बाहर भी जातिगत ध्रुवीकरण नहीं हो रहा होता।

अब जब जातिगत जनगणना 80 बनाम 20 का झूठा नरेटिव (कहानी) तोड़ रही है तो इजराइल-फिलिस्तीन के बहाने फिर ओबीसी और दलितों को धर्म की राजनीति की तरफ खींचा जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि ओबीसी दलित आदिवासी मिलकर 84 प्रतिशत होते हैं। यह सच्चाई है। उन्होंने यह नहीं कहा कि यह 84 प्रतिशत किसी एक गठबंधन के साथ आएंगे। हां यह जरूर कहा कि अपनी आबादी के हिसाब से अपना हक लेंगे।

इसी बात ने भाजपा की सारी राजनीति को गड़बड़ा दिया। और वह सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को वापस धर्म के मैदान में खींचने में जुट गई। ताजा फिलिस्तीन-इजराइल युद्ध उसे इसके लिए बहुत मौजूं लगा। सरकार ने अपनी पुरानी सारी विदेश नीतियों को भूलते हुए अरब देशों का हमेशा पाकिस्तान के मामले में भारत का समर्थन भूलते हुए और यहां तक कि फिलिस्तीन के नेता यासेर अराफात को हर मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने को भूलते हुए इजराइल का समर्थन कर दिया। यह विदेश नीति नहीं है। घरेलू राजनिति में वोट का जुगाड़ है।

भारत का मुसलमान पिछले साढ़े 9 साल से यह सब देख और भुगत रहा है। अब तो लोकसभा के अंदर तक मुसलमानों को गालियां दी जा रही हैं। 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद सबसे पहले घर वापसी के नाम पर उन्माद फैलाया गया। फिर लव जिहाद लाया। और उसके बाद तो लीचिंग और खुल कर हमें मुसलमानों के वोट नहीं चाहिए। केन्द्रीय मंत्रियों के कथन पाकिस्तान चले जाओ, गोली मारो, जुमे के दिन सड़कों पर कब्जा हो जाता है और प्रधानमंत्री तक के श्मशान-कब्रिस्तान, कपड़ों से पहचानो जैसे एक से बढ़कर एक साम्प्रदायिक बयान आने लगे। वोट और सिर्फ वोट! इसके लिए गिरने की कोई सीमा नहीं। न ही यह चिंता कि यह नफरत और विभाजन की राजनीति कहां जाकर रुकेगी। हिन्दू-मुसलमान कब तक चलेगा?

देवरिया में देख ही लिया कि जब चारों तरफ केरोसिन छिड़का हुआ था तो वहां किस तरह हत्याकांड हुए और उसके बाद तत्काल मामला जातिगत विभाजन में बदल गया। राहुल की मोहब्बत की दुकान का मतलब ही यही है कि नफरत का बाजार बंद करो। यह नफरतें तुम्हें कहीं नहीं ले जाएंगी। और यह बात तो रोहित वेमुला को आत्महत्या करने पर मजबूर करने, गुजरात में दलितों को नंगा करके खंबे से बांधकर पीटने, मध्य प्रदेश के सीधी में आदिवासी के सिर पर पेशाब करने से लेकर देवरिया में एक पक्ष प्रेमचंद यादव के मकान पर नोटिस चिपकाकर उसे बुलडोजर चलाकर गिराने की कोशिशों से साबित हो ही गई कि यह नफरत केवल मुसलमान तक सीमित नहीं रहेगी। नफरत की आग सबको जलाएगी। अगर हिन्दू-मुसलमान की राजनीति नहीं रोकी तो जाति की राजनीति भी नहीं रुकेगी। अगर हिन्दू-मुसलमान में केवल फर्क ही बताते रहे तो फिर जातियों में क्या और कितना फर्क है यह रोक पाओगे?

प्रेम, भाईचारे, मेल-मिलाप से ही इतनी विविधताओं वाला यह देश एक रहा है। आगे बढ़ा है। अभी जातिगत जनगणना में देखा कि कितनी जातियां हैं! याद रखना मुश्किल है। इनके बीच समानता बराबरी के अधिकार देने से ही बात बनेगी। देवरिया जैसा विभाजन करने से तो नहीं! अगर हर जगह राहुल के शब्दों में इतना केरोसिन नहीं छिड़का होता तो देविरया में और उसके बहाने पूरे प्रदेश और उसके बाहर भी जातिगत ध्रुवीकरण नहीं हो रहा होता।

अभी भी समय है। मुसलमानों, यादवों, ब्राह्मणों, दलित आदिवासी, मणिपुर की पीड़ित महिलाओं किसी के खिलाफ भी नफरत फैलाने से बाज आओ। यह दुनिया नफरत से नहीं चल सकती। देश की राजनीति के लिए विदेश नीति को मत बदलो। वहां भारत का जो सम्मान है वह उसकी न्यायप्रियता के लिए है। वहां हम हमेशा कहते रहे हैं कि कितने फिलीस्तिनियों को मारा गया। हजारों तो बच्चे हैं।

पहली बार हमास ने हमला किया है इतना बड़ा। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार बहुत बुरा है। महिला की डिग्निटी चाहे जीवित या मृत किसी भी अवस्था में रखना चाहिए। नग्न इजराइली महिला के शव पर नारे लगाते हुए हमास के लोगों की जितनी निंदा की जाए कम है। मगर अफसोस यही होता है कि सही सोच समझ वाले सब ने उस वीडियो की निंदा की। मगर मणिपुर में महिलाओं के साथ नग्न परेड निकालते हुए हरकत करते हुए, पहलवान लड़कियों के साथ यौन दुर्व्यवहार के मामले जिसे अब कोर्ट में पुलिस ने भी मान लिया है, बिलकिस बानो के बलात्कारियों को जमानत देने, स्वागत करने के मामले में वह लोग चुप रहे जो इजराइल के मामले पर बोल रहे हैं।

दो पैमाने भी यह पिछले साढ़े 9 साल की ही देन है। नहीं तो पहले देश की मानसिकता में इतना जहर नहीं भरा हुआ था। निर्भया के समय पूरा देश एक हो गया था। लेकिन अब भाजपा विधायक सेंगर के मामले से लेकर हाथरस महिला पहलवानों और मणिपुर की महिलाओं तक पीड़िताओं पर ही सवाल उठाए गए, उन्हीं पर जुल्म हुए और आरोपियों को समर्थन मिला।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज पर सियासत का अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों?

पिछले सप्ताह मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज मामले पर दखल देने को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यक्ष तौर पर हस्तक्षेप करने से मना कर दिया है। फ्री बीज मुद्दे (चुनाव से पहले की जाने वाली लोक लुभावनी घोषणाओं) पर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा है कि 'राजनीतिक दलों को चुनावी वादे करने से नहीं रोक सकेते हैं।' चुनाव पूर्व सभी राजनीतिक दल चुनावी वादे करते हैं, जिस पर अदालतें रोक नहीं लगा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि इस मसले पर पहले तो राज्यों के हाईकोर्ट में याचिका लगाई जानी चाहिए थी। इसके बाद मामले को यहां तक आना चाहिए था।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के मुख्यमंत्री कार्यालयों को पार्टी कार्यालय की तरह उपयोग किए जाने पर भी आपत्ति जताते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री आवास सह कार्यालयों को 'मुख्यमंत्री ऑफिस-सीएमओ' की जगह 'राज्य सरकार कार्यालय' लिखें। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों के नवंबर-दिसंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के मद्देनजर जमकर हो रही चुनावी घोषणाओं से सुप्रीम कोर्ट भी हरकत में आती दिखती है। याचिकाकर्ताओं के तर्क है कि हर बार सरकारें चुनावी घोषणाएं करती हैं, इससे अंतत: करदाताओं पर बोझ बढ़ता है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि चुनाव से पहले सरकार का लोगों को पैसे बांटना प्रताड़ित करने जैसा है। यह हर बार होता है और इसका भार टैक्स चुकाने वाली जनता यानि करदाताओं पर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, राजस्थान और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है।

ज्ञातव्य है कि इसके पहले भी याचिका में चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्री बीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक लगाने की अपील की गई है। इसमें मांग की गई है कि चुनाव आयोग को ऐसी पार्टियों की मान्यता रद्द करनी चाहिए। इस पर केंद्र सरकार ने सहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से फ्री बीज की परिभाषा तय करने की अपील की है। केंद्र ने कहा कि अगर फ्री बीज का बंटना जारी रहा तो यह देश को 'भविष्य की आर्थिक आपदा' की ओर ले जाएगा, लेकिन यहां पर गौर करने वाली बात यह है कि क्या स्वयं केन्द्र सरकार भी यही नहीं कर रही है?

मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार अपनी कुल कर कमाई का 35 फीसदी हिस्सा फ्री बीज पर खर्च करते हैं। आरबीआई की 31 मार्च 2023 तक की रिपोर्ट में सामने आया है कि मप्र, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे राज्य टैक्स की कुल कमाई का 35 फीसदी तक हिस्सा फ्री की योजनाओं पर खर्च कर देते हैं। पंजाब सरकार 35.4 फीसदी के साथ सूची में शीर्ष पर है। मप्र में यह हिस्सेदारी 28.8 फीसदी, राजस्थान में 8.6 फीसदी है। आंध्रप्रदेश अपनी आय का 30.3 फीसदी, झारखंड 26.7 फीसदी और बंगाल 23.8 फीसदी फ्री बीज के नाम कर रहे हैं। इसमें केरल 0.1 फीसदी हिस्सा फ्री बीज को देता है।

इससे सरकारों का बजट घाटा बढ़ता है, जिससे राज्य ज्यादा कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में आय का बड़ा हिस्सा ब्याज अदायगी में चला जाता है। पंजाब, तमिलनाडु और पं. बंगाल अपनी कमाई का 20 फीसदी, मप्र 10 फीसदी और हरियाणा 20 फीसदी से ज्यादा ब्याज भुगतान पर खर्च कर रहे हैं। राजस्थान, पंजाब, बंगाल में 35 फीसदी हिस्सा लुभावनी योजनाओं में खर्च हो रहा है। इस समय पंजाब सरकार पर जीएसडीपी का 48 फीसदी, राजस्थान पर 40 फीसदी, मध्यप्रदेश पर 29 फीसदी तक कर्ज है, जबकि यह 20 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। मप्र, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ आदि राज्यों ने पिछले सात सालों में करीब 1.39 लाख करोड़ की फ्री बीज दीं या घोषणाएं कीं है। पंजाब का घाटा 46 फीसदी बढ़ चुका है, और सबसे खराब स्थिति में है। पंजाब में बिजली सब्सिडी 1 साल में 50 फीसदी बढ़कर 20,200 करोड़ रूपए हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्री बीज मुद्दे पर फैसले के लिए एक समिति गठित की जानी चाहिए। इसमें केंद्र, राज्य सरकारें, नीति आयोग, फाइनेंस कमीशन, चुनाव आयोग, आरबीआई, सीएजी, और राजनीतिक पार्टियां शामिल हों। इस मसले पर सुको कह चुका है कि 'गरीबों का पेट भरने की जरूरत है, लेकिन लोगों की भलाई के कामों को संतुलित रखने की भी जरूरत है, क्योंकि फ्री बीज की वजह से इकानॉमी पैसे गंवा रही है। हम इस बात से सहमत हैं कि फ्री बीज और वेलफेयर के बीच अंतर है।' कुछ लोगों का कहना है कि राजनीतिक पार्टियों को वोटर्स से वादे करने से नहीं रोका जा सकता, पर अब ये तय करना होगा कि फ्री बीज क्या है? क्या सबके लिए हेल्थकेयर, पीने के पानी की सुविधा...मनरेगा जैसी योजनाएं, जो जीवन को बेहतर बनाती हैं, क्या उन्हें फ्री बीज माना जा सकता है? कोर्ट ने इस मामले के सभी पक्षों से अपनी राय देने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र से पूछ चुका है कि इस मसले पर सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुलाते हैं? राजनीतिक दलों को ही इस पर सब कुछ तय करना है। सुनवाई के दौरान कहा कि कमेटी बनाई जा सकती है, लेकिन क्या कमेटी इसकी परिभाषा सही से तय कर पाएगी? इस केस में विस्तृत सुनवाई की जरूरत है और इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस मसले पर चुनाव आयोग ने कहा कि फ्री स्कीम्स की परिभाषा आप ही तय करें। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कहा था कि फ्री बीज पर पार्टियां क्या पॉलिसी अपनाती हैं, उसे रेगुलेट करना चुनाव आयोग के अधिकार में नहीं है। चुनावों से पहले फ्री बीज का वादा करना या चुनाव के बाद उसे देना राजनीतिक पार्टियों का नीतिगत फैसला होता है। इस बारे में नियम बनाए बिना कोई कार्रवाई करना चुनाव आयोग की शक्तियों का दुरुपयोग करना होगा। कोर्ट ही तय करे कि फ्री स्कीम्स क्या हैं और क्या नहीं। इसके बाद हम इसे लागू करेंगे।

इस मामले पर सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज मामले पर सियासत या अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों लगाया जाता है? यह सवाल केन्द्र सरकार के लिए क्यों नहीं है? क्या केन्द्र सरकार मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज की सियासत नहीं कर रही है? यदि इन पर रोक लगाने की बात आती है, तो सबसे पहले केन्द्र सरकार पर रोक लगनी चाहिए, इसके बाद राज्य सरकारों की बारी आनी चाहिए।

डॉ. लखन चौधरी

> सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज मामले पर सियासत या अड़ंगा राज्य सरकारों पर ही क्यों लगाया जाता है? यह सवाल केन्द्र सरकार के लिए क्यों नहीं है? क्या केन्द्र सरकार मुफ्त उपहार यानि फ्री बीज की सियासत नहीं कर रही है? यदि इन पर रोक लगाने की बात आती है, तो सबसे पहले केन्द्र सरकार पर रोक लगनी चाहिए, इसके बाद राज्य सरकारों की बारी आनी चाहिए।

गुरवाणी विचार

हरि जस रे मन गाये ले जो संगी है तेरो

जिनी ऐसा हरिनाम नूं चेतियो से काहै जग आये रामराजे।
ऐ मानस जनम दुर्लभ है, नाम बिना बिरथा सब जाये।
हुन वते हरिनाम नूं बीजियो-अगे भुखा किया खाये।
मनमुखा नूं फिर जनम है- नानक हरि भाये।।

यह शब्द भासा दी वार से लिया गया है। इसमें गुरु देव मानव मन को न केवल समझा रहे हैं बल्कि ताड़ना भी दे रहे हैं। हम इस संसार में हमारे किसी पूर्व जन्म के किए गए अच्छे सतकर्मों के कारण मानुष जनम प्राप्त हुआ है क्योंकि चौरासी लाख योनियों में मानव जनम सर्वश्रेष्ठ है, इसे पाने के लिए बड़े-बड़े देवतागण भी तरसते रहते हैं बिना मानुष जीवन पाए सिमरन, भजन, बंदगी भी नहीं हो सकती और जब हमें बड़े भाग से मानव योनि की प्राप्ति हो ही गई है तो फिर हमें चाहिए कि अपने सिरजनहार को हमेशा याद करते रहें इसे हम न बिसारें नहीं परन्तु यहां आकर हम सांसारिक नुमायमान पदार्थों के मोह में फंसकर उस असली कार्यों को भूल गए हैं जिसके लिए प्रभु परमात्मा ने हमें यहां भेजा है और हम हैं कि अपना कीमती जीवन ऐसे ही गंवा रहे हैं-

प्राणी तूं आयो लाहा लैन,
लगाकित कुफकड़े सब मुकट्टी चली रैन।।

इन पंक्तियों में गुरदेव फरमा रहे हैं कि ऐसे मनुष्य जो प्रभु परमात्मा को बिसार बैठे हैं। वे इस संसार में आये ही क्यों? क्योंकि नाम सिमरन किए बिना यह जीवन व्यर्थ ही बीता जा रहा है। हमें मानव जीवन मिला ही इसलिए है कि हम अपना मानव जनम संवार सकें। जिसने इस जनम में हरिनाम का सिमरन नहीं किया उसका मानव जन्म पाना ही व्यर्थ है। जिस तरह एक किसान बीज ही नहीं बोना चाहता और फसल काटने की आस रखता है तो क्या वह फसल काट सकेगा। असंभव है। अतएव हमें मानव जनम को सार्थक बनाते हुए प्रभु सिमरन बंदगी में मन रमाए रखना चाहिए।

गुरवाणी द्वारा बार-बार इस बात को समझाया गया है कि-

हरि जस रे मन गाये ले जो संगी है तेरो।
अवसर बीतियो जात है, कहा मान लियो मेरो।।

हर वक्त प्रभु परमात्मा की सिमरन भक्ति में लगे रहो ऐसा न हो कि हमने सारी उमर यह अपनी मानवदेही जो हमें बड़े भाग्य से प्राप्त हुई है को ऐसे ही विषय विकारों में गवां दें फिर इतना पछताना पड़ेगा कि जिसका बयान ही नहीं किया जा सकता। इसीलिए हर वक्त प्रभु परमात्मा की भक्ति में लगे रहना चाहिए। फिर हमारी निंदा करने वाले लोग भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेंगे। निंदा करने वाले तो हमारा भला ही करते हैं। इससे हमारे पाप धुलते जाते हैं और निंदा करने वाले के खाते में चढ़ते जाते हैं तभी तो कबीर दास जी ने समझाया है कि-

निंदओ निंदओ मोको लोग निंदओ।
निंदा करे सो हमरा मीत-निंदक मोह हमारा चीत।
जन कबीर को निंदा सार,निंदक डूबा हम उतरे पारि।।

इन निंदकों के गले में यम की फांसी लटकती रहती है। इसलिए इंसान को प्रभु नाम सिमरन करते रहना चाहिए। प्रभु सिमरन करते रहने से यमराज भी हमें सजा नहीं दे पाएंगे। तभी तो गुरवाणी में हमें समझाया गया है कि-

मेरे राय राय तूं संता का संत तेरे।
तेरे सेवक को भओ किछ नाहीं जम नहीं आवे नेड़े।।

जो ना भजते नरायणा-तिनका है न करौ दरसना। इसलिए इस संसार समुंद्र से पार उतर कर प्रभु दरबार में स्थान प्राप्त करने का एक मात्र तरीका है प्रभु नाम सिमरन करते रहें। प्रभु हमें अपने लोक में जगह देते हैं जहां आनंद ही आनंद की अनुभूति हमें मिलती रहेगी।

चंगिआइयां बुरिआइयां वाचे धरम हदूर।
करमी आपो आपनी किया नेड़े किया दूर।।

जिस जिस ने भी प्रभु परमात्मा का नाम सिमरन किया है वही उजले मुख से प्रभु परमात्मा के सांचे दरबार में गया है और उसी का मानव जीवन पाना सार्थक हुआ है। अतएव हर वक्त सिमरन भजन में हमें लगे रहना चाहिए तभी हम भवसागर से पार उतर पाएंगे।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

कुदरत की मार से सहम उठा सिक्किम, बादल फटने से सिक्किम की तबाही

कहावत है कुदरत की लाठी में आवाज नही होती है, वो किस रूप में आती है इसका कोई जवाब नही है। सिक्किम में बादल फटने की घटना से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है। सैन्य कैम्प तबाह हुआ है तथा जवानों और 82 लोग लापता हुए है। फंसे पर्यटकों को बचाया जा रहा है। दो घण्टे में उतर सिक्किम में पानी-पानी हो गया। ग्लोबल वार्मिंग के असर के कारण नमी के कारण बारिश का आना स्वाभाविक है। अखबार ग्लोबल वार्मिंग के लिए सरकार को हमेशा चेतावनी देते रहते हैं। जलवायु पर सरकार और अन्य देश बातचीत के दौरान तालियां पीटने के बाद हमेशा के लिए भुला दिया जाता है। मोदीजी ने जी-20 के दौरान जलवायु पर लम्बी बात की थी। आफत घेरने लगती है तब उपाय सुझाया जाता है लेकिन उस समय बहुत देर हो जाती है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के खतरे को दुनिया कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो ग्लेशियरों के पिघलने से आने वाले खतरे को हम नजरअंदाज कैसे कर सकते हैं। सैनिकों के लापता होने और गांव पानी के बहाव में बर्बाद होने के बाद प्रशासन राहत कार्य मे लग गया है। बाढ़ का अलर्ट जारी करने के बाद भी प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। ग्लेशियरों के निचले इलाकों में बनी झीलें बड़ी आपदाएं ला सकती है। बादल फटने के बाद आई बाढ़ ने पूरे गांव को पानी में डूबो दिया। कुदरत के रौद्ररूप को हम नजरअंदाज कैसे कर सकते हैं। गंगटोक का देश के बाकी हिस्से से संपर्क टूटने की इस आपदा को निपटने में कई दिन लग जाएंगे। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। सड़कें पल पानी में बहने के बाद सरकार की परेशानियां बढ़ती गई है जो आहत हुए हैं उनके लिए सरकार मदद की राशि मुहैया करवाई जाए। अचानक आई बाढ़ ने लोगों को खतरे में डाल दिया है। चीन सीमा पर बादल फटने से तबाही मची हुई है। चीन का बॉर्डर होने के कारण सामरिक रूप से इलाका काफी अहम है और लापता सैनिकों की। युद्धस्तर पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। 120 लोग लापता हुए है जिसकी तलाश जारी है। केंद्र द्वारा एनडीआरएफ की टीम भेजी गई है। संदेश व्यवहार का आदान प्रदान रुक गया है। सिक्किम में स्कूलों की छुट्टियां घोषित की गई है। तीन हजार लोगों को एयरलिफ्ट कर बचाया जा चुका है। कुदरत के इस रूप से सिक्किम की हालत खराब हो गई है। सरकार पीड़ित परिवार को मुआवजा देकर उनकी मदद करे जिनका बाढ़ के बहाव में सब कुछ बह गया है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

सार समाचार

समय सीमा में करें संपत्ति विरूपण की कार्रवाई : कलेक्टर

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण राठी ने सभी रिटर्निंग ऑफिसर्स को निर्देशित किया है कि आदर्श आचरण संहिता लागू होते ही शासकीय संपत्ति पर दीवार लेखन, होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर, पेंटिंग आदि हटाने की कार्रवाई 24 घंटे के भीतर की जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर इस प्रकार की कार्रवाई 48 घंटे के भीतर और संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के तहत किसी भी निजी संपत्ति पर ऐसी ही कार्रवाई 72 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक आज

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर तरूण राठी की अध्यक्षता में 09 अक्टूबर 2023 को प्रातः 10 बजे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में समय-सीमा बैठक का आयोजन किया जायेगा। उक्त बैठक में सर्व-संबंधितों को उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है।

जिला सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक आज

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर तरूण राठी की अध्यक्षता में दिनांक 9 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11.30 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक प्रस्तावित हैं। जिसमें कार्यपालिक दण्डाधिकारी द्वारा उक्त बैठक से संबंधित अधिकारियों को जानकारी के साथ उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है।

शिकायतों का 100 मिनट में किया जाएगा निराकरण

गुना, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल मोबाइल ऐप तैयार कराया गया है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी नागरिक निर्वाचन में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन संबंधी किसी भी घटना का फोटो-वीडियो तैयार कर अपनी शिकायत भेज सकता है। प्राप्त शिकायत की त्वरित जांच कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आदर्श चुनाव आचरण संहिता के लागू होते ही यह ऐप सक्रिय हो जाएगा।

आरोपी की लंबे समय से थी तलाश

तड़ीपार बदमाश को पुलिस ने रासुका लगाकर जेल भेजा

गुना, देशबन्धु। आगामी विधानसभा चुनावों को दृष्टिगत् रखते हुये गुना पुलिस अधीक्षक विजय कुमार खत्री द्वारा जिले में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु कड़ी से कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। निर्देशानुसार सीएसपी गुना श्रीमति श्वेता गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के कैंट थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज त्यागी एवं उनकी टीम द्वारा जिले से तड़ीपार बदमाश के उसके घर पर मिलने से आरोपी को रासुका के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से जारी एक गिरफ्तारी वारंट में भी आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत् दिनांक 07 अक्टूबर 2023 की रात में जिले के कैंट थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि जिलाबदर बदमाश आफताब पुत्र नसीम खान निवासी पेंशनर मोहल्ला कैंट, गुना जो कि वर्तमान में जिला बदर होने के बाद भी अभी अपने घर पर है। इस सूचना के मिलते ही कैंट थाने से पुलिस की एक टीम जिला बदर बदमाश की धरपकड़ हेतु तत्काल रवाना हुई और बदमाश के घर पहुंचकर तलाश किया तो जिलाबदर बदमाश आफताब पुत्र नसीम खान उम्र 40 साल निवासी पेंशनर मोहल्ला कैंट, गुना का अपने घर पर मिला जिसे पुलिस द्वारा दबोच लिया गया।

उल्लेखनीय है कि आरोपी आफताब खान आदतन अपराधी है, जिसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु, गुना जिला दण्डाधिकारी द्वारा अपने आदेश दिनांक 13 फरवरी 2023 से जिसके विरूद्ध गुना जिले की सीमा के अलावा आसपास के जिले राजगढ़, शिवपुरी, विदिशा, अशोकनगर आदि जिलों की सीमा से एक वर्ष के लिये जिला बदर आदेश पारित किया गया था, लेकिन बदमाश आफताब खान के अपनी जिला बदर अवधि में भी उसके लिये प्रतिबंधित किये गये क्षेत्र गुना में बिना किसी पूर्व सूचना या किसी प्रकार की अनुमति लिये बिना घूमता हुआ पाये जाने पर पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर, जिसके विरूद्ध कैंट थाने पर अप.क्र 883/23, मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। गिरफ्तारशुदा आरोपी आफताब खान के विरुद्ध थाना कैंट में दर्ज अपराध क्रमांक 602/22 धारा 294, 323, 506 भादवि में न्यायालयीन प्रक्रिया से लगातार फरार रहने पर माननीय न्यायालय गुना द्वारा आरोपी आफताब खान की गिरफ्तारी हेतु अपने न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 1631/22 में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था । उक्त गिरफ्तारी वारंट में भी कैंट थाना पुलिस को आरोपी आफताब खान की तलाश थी, जिसमें भी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। कैंट थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज त्यागी, उपनिरीक्षक जयनारायण शर्मा, सउनि. प्रकाशचंद्र जाटव, आरक्षक जितेनद्र वर्मा, आरक्षक माखन चौधरी एवं आरक्षक धर्मेन्द्र रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आरोन पुलिस ने चोरी के मामले में फरार स्थाई वारंटी किया गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनावों के चलते पुलिस द्वारा जिले में फरार वारंटियों, इनामी बदमाशों आदि सहित विभिन्न अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु निरंतर कार्यवाहियां की जा रहीं हैं। इसी सिलसिले में एसडीओपी राघौगढ श्रीमति दीपा डोडवे के मार्गदर्शन में जिले के आरोन थाना प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा मारपीट के एक प्रकरण में न्यायालयीन कार्यवाही से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में आरोपी रवि पुत्र मोनू खटीक निवासी किला मोहल्ला, आरोन के विरूद्ध आरोन थाने में दर्ज चोरी के अप.क्र. 16/17 धारा 457, 511 भादवि में आरोपी रवि खटीक के न्यायालयीन कार्यवाही से लगातार फरार रहने पर माननीय न्यायालय आरोन द्वारा अपने प्रकरण क्रमांक 234/17 में आरोपी रवि खटीक की गिरफ्तारी हेतु स्थाई वारंट जारी किया गया था, जो तामीली हेतु आरोन थाने पर प्राप्त हुआ था। आरोन थाना पुलिस द्वारा वारंटी रवि खटीक की सघन तलाश की गई और जिसकी तलाश में अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर निरंतर दविशें दीं गईं, जिसके परिणाम स्वरूप आज दिनांक 08 अक्टूबर 2023 को वारंटी रवि खटीक के संबंध में मुखबिर से मिली सूचना पर आरोन थाना पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही की गई और प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी रवि पुत्र मोनू खटीक उम्र 25 साल निवासी किला मोहल्ला आरोन, थाना आरोन को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय लिया गया है। आरोन थाना पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार गुप्ता, प्रधान आरक्षक दिग्लेश धाकड़ एवं आरक्षक कमलेश की सराहनीय भूमिका रही है।

उपभोक्ता आयोग ने दिया किसानों को उचित मुआवजा देने का आदेश

गुना, देशबन्धु। उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक शाखा परवाह को विगत दिवस किसानों को उचित मुआवजा देने का आदेश दिया है। इस संबंध में अधिवक्ता जेएल किरार ने बताया कि मुरारी किरार, प्रकाश किरार, मुकेश किरार व श्रीमती दख्खो बाई निवासीगण ग्राम वरूखेड़ी की ओर से परिवाद पत्र उपभोक्ता आयोग गुना में शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा परवाह तहसील बमौरी, जिला गुना एवं अन्य के विरूद्ध प्रस्तुत किया था। जिसमें ग्राम बरूखेड़ी के किसानों को वर्ष 2019 की खरीफ फसल सोयाबीन बीमित होने के बाद भी संबंधित के द्वारा बीमा क्लेम राशि का भुगतान नहीं किया गया था, जबकि संबंधित पटवारी हल्का नम्बर 72 ग्राम बरूखेड़ी में खरीफ फसल में नुकसान हुआ था। जिस पर से उपभोक्ता आयोग गुना द्वारा सुनवाई करते हुए दिनांक 4 अक्टूबर 2023 को आदेश पारित किया है। जिसमें उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक शाखा परवाह की सेवा में कमी माना है और आदेश पारित किया है कि वह परिवादीगण को परिवाद पत्र की प्रस्तुति दिनांक 12 अगस्त 2021 से 26,637 रूपये का अदायगी दिनांक तक 07 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से साधारण ब्याज अदा करें। इसके साथ ही बैंक को यह आदेशित किया गया है कि परिवादीगण को शारीरिक एवं मानसिक कष्ट के लिए 5000 रूपये तथा वाद-व्यय के रूप में 2 हजार रूपये अदा करें।

आदतन अपराधी कृष्णा इमरान को किया जिलाबदर

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर तरुण राठी द्वारा जिले में शांति व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन अनुसार विभिन्न अपराधों में लिप्त दो अपराधियों को जिलाबदर किये जाने हेतु आदेश जारी किये गये हैं।

जारी आदेशानुसार कृष्णा उर्फ टाइगर पुत्र रामसिंह बरार उम्र 24 वर्ष निवासी कोल्हूपुरा दुर्गा कॉलोनी गुना एवं इमरान खान पुत्र इकबाल खान उम्र 35 वर्ष निवासी हनुमान छत्री के पीछे राघौगढ जिला गुना के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज होने पर तीन-तीन माह की कालावधि के लिए जिला बदर किया गया हैं। उक्त आदतन अपराधी जिलाबदर की अवधि में गुना जिले से लगे हुए समीपवर्ती जिला अशोकनगर, शिवपुरी, विदिशा एवं राजगढ़ की भौगौलिक सीमाओं से निष्कासित करने एवं बिना किसी विधि संगत एवं सक्षम आदेश/अनुमति के गुना जिले की सीमाओं के अंदर प्रवेश नही कर सकेंगे। इसके साथ ही 03 माह तक नेकचलन रहने एवं सदाचारिता बनाये रखने हेतु पाबंद किया गया हैं। उक्तावधि में किसी भी आपराधिक क्रियाकलाप अथवा गतिविधियों में सलिप्त नहीं रहेगा। साथ ही माह में प्रत्येक सोमवार को थाना कोतवाली गुना में हाजरी भरने हेतु आदेशित किया गया हैं।

संतों के समागण से मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं : स्वामी राघवाचार्य

गुना, देशबन्धु। श्रीमद् भागवत कथा व्यास रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस की कथा में बोलते हुए कहा कि संतो के समागण से मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं। व्यक्ति संतों के संग रहे और संतो के बताएं गए मार्ग पर चले, लेकिन व्यक्ति कुछ करना नही चाहता और धर्म का लाभ लेना चाहता है यह संभव नहीं है। व्यक्ति को तभी मिलेगा जब हमको हमारे व्यवहार में आचरण में परिवर्तन लाना होगा तभी हमको लाभ मिलेगा। हमको जो मिला है उसमें संतुष्ट रहो, अपने आहार को संतुलित करो। हमको आहार में क्या खाना है इसका विवेक हो। पशु भी अपने आहार को नियंत्रित रखते है। वह अपनी नाक से खुशबू पहचानते है उसको क्या खाना है। पशु शाकाहारी खास को ही ग्रहण करता है। इसलिए हमको सुखी होना है तो हमको हमारा आचरण, खान पान रहन सहन को आत्मसात करना चाहिए। भगवान का भजन, संतो का समागम, योग मनन ध्यान पर भी हमको समय निकालकर चलना चाहिए, तो निश्चित ही आपको मोक्ष प्राप्त होगा।

कोतवाली पुलिस ने नाबालिक के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में नाबालिग बालक-बालिकाओं पर घटित अपराधों को संवेदनशीलता से लेते हुये इन मामलों में त्वरित कार्यवाही कर इनके अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही हेतु अधीनस्थों को सख्त निर्देश दिये गये हैं। निर्देशानुसार गुना कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव एवं उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र से एक नाबालिग बालिका के अपहरण व उससे दुष्कर्म के मामले के फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की गई है।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 29 सितंबर 2023 को पीडिता के पिता द्वारा अपनी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के दिनांक 28-29 सितंबर 2023 की मध्यरात्रि में कहीं चले जाने की रिपोर्ट गुना कोतवाली में दर्ज कराई गई थी, जिसकी रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध गुना कोतवाली में अपराध क्रमांक 818/23 धारा 363 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया था। कोतवाली पुलिस द्वारा प्रकरण की नाबालिग अपहृता की सघनता से तलाश की गई और विगत दिनांक 06 अक्टूबर 2023 को अपहृता को इंदौर से दस्तयाब कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया था। अपहृत नाबालिग बालिका द्वारा दस्तयाबी पर अपने कथनों में बताया था कि गुना की सांईसिटी कॉलोनी निवासी जितेन्द्र पुत्र रामबाबू ओझा उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था और जिसने उसकी मर्जी के बिना उसके साथ कई बार जबरदस्ती गलत काम किया गया, जिसके कथनों के आधार पर आरोपी जितेन्द्र ओझा के विरूद्ध प्रकरण में धारा 376 भादवि एवं 3/4 पोक्सो एक्ट इजाफा की गई एवं गुना कोतवाली पुलिस द्वारा प्रकरण के फरार आरोपी जितेन्द्र ओझा की तलाश में सघन दविशें दीं गईं और आज दिनांक 08 अक्टूबर 2023 को आरोपी जितेन्द्र ओझा के जज्जी बसस्टेंड पर होने की मुखबिर से मिली सूचना पर गुना कोतवोली पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुये प्रकरण के आरोपी जितेन्द्र पुत्र रामबाबू ओझा उम्र 22 साल निवासी सांई सिटी कॉलोनी, गुना को जज्जी बसस्टेंड से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। कोतवाली पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, उपनिरीक्षक रविनंदन शर्मा, उपनिरीक्षक अंजली गुप्ता, उपनिरीक्षक माधवी तोमर, आरक्षक धीरेन्द्र गुर्जर, आरक्षक संजय जाट, आरक्षक विनीत शर्मा एवं महिला आरक्षक प्रगति राजपूत की सराहनीय भूमिका रही है।

लोधा लोधी समाज की बैठक में बनाई धर्मशाला निर्माण की रूपरेखा

गुना, देशबन्धु। लोधा-लोधी समाज की बैठक समाज की धर्मशाला कुशमोदा में संपन्न हुई। जिसमें समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश लोधा कंचनपुरा ने बताया है कि बैठक में अमर शहीद वीरांगना महारानी अवंती बाई का जन्म दिवस विशाल वाहन रैली निकाल कर 20 अगस्त को मनाया गया था। जिसका आय व्यय का लेखा जोका दिया गया है। जिस समाज बंधु को आय व्यय लेखा जोखा कि जानकारी चाहिए वह आगामी बैठक में ले सकते हैं। इस दौरान बैठक में धर्मशाला निर्माण की रूपरेखा बनाई गई। आगामी बैठक में संगठन के रिक्त पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इस मौके पर बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष केदार सिंह गणेशपुरा, जिला सचिव लक्ष्मण सिंह फौजी, युवा अध्यक्ष विशालसिंह, लल्लू सिंह हिलगना, कन्हैयालाल भठोदिया जशवंत उमरिया, युवा सचिव राजेश लोधा, युवा उपाध्यक्ष प्रहलाद गोलाखेड़ी, जनक सिंह ब्लॉक अध्यक्ष, गोवर्धन लोधा रूपसिहं लोधा, बसंत लोधा सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

राजस्व अनु विभाग के अधिकारी मौन, सुविधाओं से वंचित हो रहे लोग

सिरोंज रोड़ पर अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनी

आरोन, देशबन्धु। गुना जिले के आरोन नगर में अवैध कॉलोनी काटने का धंधा इन दिनों जमकर फल फूल रहा है। उक्त कॉलोनाइजर द्वारा कोई नाम भी नहीं दिया गया है और आरोन नगर की वेश कीमती जमीन सिरोंज रोड कृषि मंडी से आगे राइट हैंड पर काटी गई है। जिसमें अभी कुछ मकान भी बनकर तैयार हो चुके है। इस ओर राजस्व विभाग के पटवारी, आरआई, तहसीलदार कोई ध्यान नहीं दे रहे।

दरअसल जिस जगह कालोनी काटी जा रही है वह कृषि योग्य भूमि है। उसी जमीन को खरीद कर नियम कानूनों को ताक पर रखकर चाहे जहां बिना डायवर्शन, रेरा, टीएसपी टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की परमिशन के अवैध तरीके से कॉलोनी काटकर प्लाट काट रहे हैं।

आमजन की शिकायत है कि उक्त कॉलोनी में कोई भी मूलभूत सुविधाएं नहीं है और लोगों से सुविधाओं का फायदा उठाकर, लालच देकर प्लांट थोपे जा रहे है कि उक्त कॉलोनाइजर गुना एवं इंदौर में भी कई कालोनियां काट चुके हैं जो की भगवतीप्रसाद पाराशर के नाम से जाने जाते हैं।

सर्वे नंबर 1508/1/2/12/(एस) में इनका अंश 117 /266 है। जिस पर आरोन नगर के पास इनके द्वारा कालोनी बनाकर प्लाट बेचे जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि नगर परिषद द्वारा भी इनके पास कोई भी परमिशन न होते हुए कॉलोनी में सडक़, पानी, नाली, पार्क, मंदिर आदि सुविधाओं से भी यह लोग वंचित हैं। अब देखते हैं की जिम्मेदार प्रशासन इस कॉलोनाइजर पर क्या ठोस कार्रवाई करेगा यह तो समय ही बताएगा।

काला तालाब पर आष्टा युवा संगठन द्वारा सफाई अभियान चलाया गया

आष्टा, देशबन्धु। नगर के काला तालाब में गणेश प्रतिमा विसर्जन के बाद अधिक मात्रा में पूजन सामग्री एवम कचरा तालाब में एकत्रित हो गया था। आज आष्टा युवा संगठन के द्वारा रविवार को पार्क और तालाब का सफाई अभियान चलाएगा सारा कचरा एवम पूजन सामग्री को बहार निकाला गया,आज अभियान में युवा साथियों के साथ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राय सिंह जी मेवाड़ा,नगर पालिका सीएमओ राजेश सक्सेना ,पार्षद रवि शर्मा महासंघ अध्यक्ष रूपेश राठौर ने भी श्रम कर पूर्ण सहयोग किया।

इस अवसर पर आष्टा युवा संगठन प्रमुख आनंद गोस्वामी,रवि कुशवाह, विशाल राठौर, अनिकेत कुशवाह, अरविंद मेवाड़ा, आनंद शर्मा, सोनू डूमाने, मुकेश मेवाड़ा, दीपक मेवाड़ा, पहलाद कुशवाह, पंकज गोस्वामी, खुशिलाल कुशवाह, पंकज मेवाड़ा, सेवकराम कुशवाह, राजा वर्मा, वाड़ के दरोगा राजेश सांगते उपस्थित थे।

कायस्थ समाज के वरिष्ठ सुरेंद्र नाथ हजेला का निधन

आष्टा, देशबन्धु। स्वास्थ विभाग में सेवारत रहकर सेवा निवृत हुए सुरेंद्र नाथ हजेला लम्बे समय तक सरकारी अस्पताल मे सेवारत रहे सेवानिवृति के बाद आष्टा में ही निवास कर रहे थे। स्वास्थ्य खराब होने से उनका निधन हो गया। हजेला अपना भरा पूरा परिवार छोड़कर गए। उनके बड़े पुत्र डॉक्टर संजय हजेला ने मुखाग्नि दी उनके दो अन्य भाई प्रशांत और सुबोध हजेला के साथ पूरा परिवार मौजूद रहा। श्री हजेला

की अंतिम यात्रा में नगर के गण मान्य नागरिक समाज जन उपस्थित रहे। विश्राम घाट पर शोक सभा में गणेश कुमार माथुर ने बताया कि सुरेंद्र नाथ हजेला कायस्थ समाज के सबसे वरिष्ठ व्यक्तित्व थे उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है! कायस्थ समाज के डॉक्टर आर. पी. श्रीवास्तव कायस्थ समाज के अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, मनोहर श्रीवास्तव, मन्दिर समिति अध्यक्ष नरेश माथुर, सोहनलाल श्रीवास्तव , डा आर सी गुप्ता, डा अतुल उपाध्याय , डा मोहित बंगाली, डा कैलाश शर्मा डा दिनेश माथुर, योगेश श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, अरुण माथुर, राकेश प्रजापति, गजराज सिंह चक्रवर्ती, एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पार्षद का जन्मदिन पर वार्ड के नागरिको ने किया स्वागत सम्मान

आष्टा, देशबन्धु। नपा के वार्ड 18 की जागरूक पार्षद श्रीमति लता कल्लु मुकाती का उनके जन्मदिन एवं कार्यकाल का एक वर्ष सफलतम पूर्ण होने पर वार्ड के नागरिको,भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत कर सम्मान किया। एक वर्ष में वार्ड के विकास,स्वच्छता में जो उपलब्धियां दी उसके प्रति उनका सम्मान किया। अपने स्वागत सम्मान पर पार्षद लता कल्लु मुकाती ने कहा की उनका एक ही ध्येय है कि वार्ड के नागरिको ने जिस उम्मीद विश्वास से मुझे जीता कर वार्ड के नागरिको की सेवा का जो सुअवसर दिया में उस कसौटी पर खरी उतरु। नपा अध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह जी मेवाडा के नेतृत्व में जो सहयोग मिला उसी से आज वार्ड में विकास की शुरुआत हुई है। जो भी समस्या है वे हल करने के लिये सभी के सहयोग से प्रयास रत है। वार्ड के सभी आशीर्वाददाताओ, वरिष्ठ नेताओं का भी लगातार मार्गदर्शन मिलता है।

इस अवसर पर वार्ड के सुशील संचेती, मनोहर भोजवानी, जितेंद्र सोनी ,मनोज धनगर, राजीव गुप्ता, हरदेव मेवाड़ा, राधेश्याम अलेरिया, मनोहर बैरागी, श्रीमती ऋचु जैन,नीलिमा बैरागी,श्रीमती प्रतिभा नागर, आनंद चौधरी सुरेश जैन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्तिथ थे। पार्षद प्रतिनिधि कल्लु मुकाती ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आयशर चालक ने मारी मोटरसाईकिल को टक्कर

आष्टा, देशबन्धु। नगर थाना अंतर्गत आयशर चालक ने मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी। जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि फरियादी सूरज पिता नारायण सिंह निवासी पटारिया गोयल मोटरसाईकिल क्रमांक एमपी 37 बी 4663 से आ रहा था। तभी रेंज ऑफिस के सामने आयशर चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक चलाकर टक्कर मार दी। जिससे फरियादी सूरज सिंह घायल हो गया। पुलिस ने आयशर चालक के विरूद्ध विभिन्न धाराओ के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

पोर्टल बंद होने के कारण अतिथि शिक्षक नहीं दे पा रहे सेवाएं, पढ़ाई प्रभावित

आष्टा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन दिनों अतिथि शिक्षकों का दोगुना मानदेय कर भले ही उन्हें राहत दी हो, इसके बाद भी अतिथि शिक्षकों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। आष्टा तहसील के अतिथि शिक्षक आज भी दर-दर भटक रहे हैं।

स्थानांतरण के बाद नियमित शिक्षकों के आने पर अतिथि शिक्षकों को हटा दिया गया है। वहीं स्थिति यह है कि अब पोर्टल नहीं खुल रहा जिसके कारण उन्हें किसी भी विद्यालय में नहीं रखा जा रहा है। इन सबके चलते छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, जबकि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुए 3 माह से अधिक समय बीत गया है, स्कूलों में छात्रों की त्रैमासिक परीक्षा हो गई है। 3 माह बाद भी शिक्षकों के ट्रांसफर का सिलसिला जारी है। अब स्थिति यह है कि कारण स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता तो है, लेकिन प्राचार्य भी पोर्टल न खुलने का बहाना लेकर अतिथि शिक्षकों को नहीं रख रहे हैं। जबकि पोर्टल नहीं खुलने के कारण या तो किसी भी अतिथि शिक्षक को नहीं रख सकते हैं और अगर रखा है तो प्राचार्य ने किस नियम के अंतर्गत रखे हैं। यह भी एक जांच का विषय है, शिक्षा विभाग को छात्रों की पढाई का नुकसान न हो इसे देखते हुए तत्काल पोर्टल खोला जाना चाहिए और अतिथि शिक्षक को रखा जाना चाहिए, ताकि छात्रों का पढ़ाई का नुकसान न हो। कही ऐसा न हो कि शिक्षा विभाग की लापरवाही के कारण कई छात्र पढ़ाई मे कमजोर न रह जाए।

विधानसभा के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

गुना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण राठी द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये जिला निर्वाचन कार्यालय में तीन शिफ्टों में तीन-तीन कर्मचारियों को 24-7 कॉल सेंटर/नियंत्रण कक्ष की स्थातपना कर तत्काल प्रभाव से नियुक्त करने के आदेश जारी किये गये हैं।

जारी आदेशानुसार 15 अक्टूबर 2023 से 31 दिसंबर 2023 तक अलग-अलग पाली में तीन-तीन कर्मचरियों को नियुक्त किये गये हैं। नियंत्रण कक्ष / कॉल सेंटर के प्रभारी अधिकारी राकेश कुमार ढोडी, प्रभारी अधीक्षक, भू-अभिलेख गुना रहेगें।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

नई शिक्षा नीतिः शिक्षा एवं कौशल संवाद कार्यक्रम का आयोजन

हरदा, देशबन्धु। आइसेक्ट एवं डॉ. सी.वी.रामन विश्वविद्यालय खंडवा द्वारा कौशल विकास यात्रा 2023 प्रदेश के विभिन्न शहरों से होती हुई हरदा पहुंची ।भीमराव अम्बेडकर हायरसेकण्ड्री स्कूल में नई शिक्षा नीति अंतर्गत शिक्षा एवं कौशल संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम आइसेक्ट के नवीन राठौड़ ने कौशल विकास यात्रा के महत्व एव उद्देश्य पर प्रकाश डाला। आइसेक्ट के क्षेत्रीय प्रबंधक रोहित साहू ने आइसेक्ट समूह द्वारा संचालित किए जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम की जानकारी दी। उत्कृष्ट स्कूल की प्राचार्या डॉ. सविता तोमर ने नई शिक्षा नीति में कौशल विकास के महत्व पर चर्चा की। रामन क्षेत्रीय संसादन केंद्र, हरदा के क्षेत्रीय प्रबंधक उमेश शर्मा ने हरदा में आइसेक्ट समूह द्वारा कराए जा कौशल विकास के कार्यक्रमो के बारे में जानकारी दी एवं वर्तमान समय में शिक्षा के साथ कौशल विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। स्वाति गुरु ने माइक्रोसॉफ्ट राईस द्वारा किये जाने वाले प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी।

अलस्या बैतूल सीट से लड़ेंगे चुनाव

बैतूल, देशबन्धु। समाज सेवक अलस्या सोलंकी ने विधानसभा चुनाव में बैतूल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है । उन्होंने 7 अक्टूबर को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर बैतूल को एक पत्र लिखकर बैतूल विधानसभा क्षेत्र की सीमाएं एवं पोलिंग बूथ केंद्रों की जानकारी मांगी है। सोलंकी ने बैतूल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने संबंधी कलेक्टर को दिए पत्र ने सभी को चौका दिया है। सोलंकी ने दावा किया है कि वह इस बार बैतूल विधानसभा से नामांकन दाखिल करेंगे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया है कि किस दल से लड़ेंगे लेकिन उनके पत्र से यह साबित होता है कि वह किसी दल से प्रत्याशी बने अथवा न बने लेकिन स्वतंत्र रूप सक बैतूल विस चुनाव में अपना भाग्य आजमाने वाले हैं। सोलंकी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके सामाजिक बंधु प्रदेश ही नहीं बल्कि महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदेशों में रहते हैं वह सभी बैतूल विधानसभा क्षेत्र में उनके लिए प्रचार प्रसार करेंगे लेकिन उनका प्रचार प्रसार पूर्णः आचार संहिता के दायरे में रहकर होगा ।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

मुलताई, देशबन्धु। थाना साईंखेड़ा पुलिस को मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी बैतूल/मुलताई के मार्गदर्शन में थाना साईखेड़ा पुलिस द्वारा मोटरसाईकिल चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। 22.05.23 को फरियादी नत्थू सारोडे निवासी छिंदखेड़ा द्वारा अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपनी मोटरसाईकल चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट किया था।

नवरात्रि और दशहरे को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक

आचार संहिता का उल्लंघन करने पर की जाएगी कार्रवाई

मुलताई, देशबन्धु। आगामी नवरात्रि और दशहरे के पर्व को देखते हुए मुलताई और साईंखेड़ा पुलिस थाने में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। मुलताई में एसडीएम, एसडीओपी, टीआई सहित अन्य विभाग के अधिकारी एवम् गणमान्य नागरिक शामिल हुए। नवदुर्गा सहित आदर्श आचार संहिता के परिपालन को लेकर इस बैठक का आयोजन किया गया था।

जिसमें विभिन्न लोगों से शांतिपूर्वक त्यौहार मनाने का आग्रह किया गया। इधर बैठक में तय किया गया है की देवी विसर्जन में फूहड़ गाने नहीं बजाए जाएंगे और तेज आवाज में डीजे नहीं बजाया जाएगा। बैठक में एसडीएम ने कहा कि सभी आचार संहिता का पालन करें, आचार संहिता का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। शांति समिति की बैठक में एसडीएम तृप्ति पटैरिया, तहसीलदार अनामिका सिंह, एसडीओपी सुरेश पाल सिंह, टीआई प्रज्ञा शर्मा सहित नगर पालिका के सीएमओ के प्रतिनिधि शामिल हुये। बैठक में सदस्यों ने इस बात को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया कि बिजली कंपनी से भी कोई अधिकारी कर्मचारी बैठक में मौजूद नहीं था। इधर लोगों ने मांग की है कि विसर्जन के दौरान फिल्मी गाने नहीं बजाये जाए। इस तरह से गाने बजाने पर वाद-विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है और त्यौहार का उत्साह फीका हो जाता है। इस पर अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि डीजे वालों की बैठक अलग से लेकर उन्हें ताकीद किया जाएगा की फूहड़ गाने डीजे पर ना बजे। एसडीएम ने कहा कि किसी भी प्रकार की होर्डिंग और डीजे सहित ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाने के लिए एसडीएम ऑफिस से विधिवत्त अनुमति लेना आवश्यक होगा। जो बिना अनुमति के ध्वनि विस्तार का इस्तेमाल करेगा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

साईखेड़ा थाने में सायबर एवं महिला संबधी अपराधों पर दी जानकारीः थाना साईंखेड़ा में आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया था, जिसमें थाना साईंखेड़ा के थाना प्रभारी नन्हेवीर सिंह सहित पुलिस स्टाफ एवं गणमान्य ग्रामवासी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। त्योहारों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही साइबर अपराध एवं महिला अपराधों संबंधी भी लोगों को जानकारी उपलब्ध कराई गई। मोबाइल के डिजिटल जमाने में हो रहे साइबर अपराधों से बचने के उपाय भी बताए गए।

मुलताई को जिला बनाने के समर्थन में भाजपा उम्मीदवार ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मुलताई, देशबन्धु। मुलताई को जिला बनाने की मांग के समर्थन में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए घोषित भाजपा उम्मीदवार पूर्व विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने मुख्यमंत्री को बीते 4 अक्टूबर को पत्र लिखा था। जिसमें विधानसभा चुनाव 2013 में मुख्यमंत्री द्वारा मुलताई को जिला बनाने की घोषणा का उल्लेख किया है। मुलतापी जिला बनाओ समिति के सदस्यों ने इस पत्र को रविवार को सार्वजनिक किया है। देशमुख ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को संबोधित पत्र में उल्लेखित किया है विधानसभा चुनाव 2013 में मुलताई दौरे के समय आपके द्वारा मुलताई को जिला बनाने की घोषणा की गई थी, जो आज तक अधूरी है, मुलताई को जिला बनाने की मांग क्षेत्र के नागरिकों द्वारा वर्षों से की जा रही है। देशमुख ने मुलताई, आमला क्षेत्र को शामिल कर चार तहसील और तीन विकास खंडो को शामिल कर 3350 वर्ग किलोमीटर भौगोलिक क्षेत्र के साथ मुलताई को जिला बनाने का सुझाव भी पत्र में दिया है। साथ ही इस आधार पर उच्च स्तरीय दल गठित कर गंभीरता पूर्वक मांग का परीक्षण कर मुलताई अनुभाग को मुलतापी नाम से जिला घोषित करने की मांग रखी है। जिला बनाओ संघर्ष समिति के सदस्यों का कहना है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की चौहान ने शनिवार को पांढुर्ना में आयोजित आमसभा में कहा था कि जो वादा करते हैं वह निभाते हैं। उसी तर्ज पर जो 2013 में वादा किया है उन्हें निभाना चाहिए और मुलताई को पवित्र नगरी और सिक्ख आस्था नगरी का दर्जा देने के साथ इसके लिए लागू नियमों का पालन मुलताई में करवाना चाहिए।

घोड़ाडोंगरी से भाजपा प्रत्याशी गंगा उइके पहुंची कई गांवों में

चिचोली, देशबन्धु। अजजा वर्ग के लिए आरक्षित भौगोलिक और आबादी की दृष्टि से बैतूल जिले की सबसे बड़ी विधानसभा घोड़ाडोंगरी से भाजपा प्रत्याशी बनाई गई राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य गंगा सज्जनसिंग उइके इन दिनों अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार प्रवास कर क्षेत्र के मतदाताओं से बूथों पर जाकर संपर्क कर रहीं हैं और अपने लिए सहयोग और आर्शीवाद भी मांग रहीं है। गंगा उइके ने शनिवार-रविवार को अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान भाजपा ग्रामीण मंडल चिचोली के तकरीबन डेढ़ दर्जन गांवों में पहुंचकर अपनी पार्टी के समर्थन में मतदाताओं से सहयोग रूपी आर्शीवाद मांगा। उन्होंने शनिवार को ग्राम हर्रई, खोकराखेड़ा, गवासेन, झिरियाडोह, जामनगरी, दरियावगंज, बरखेड़ा, बालाडोंगरी एवं टाण्डा में तथा अगले दिन रविवार को ग्राम कुरसना, अजई, आलमगढ़, चिरापाटला, झिरनाढाना, बन्हूढाना, कामठामाल, पीपलबर्रा, चुरनी, पाटाखेड़ा, धनियाजाम, डोलजाम में पहुंचकर ग्रामवासियों के साथ चौपाल बैठके की। गंगा सज्जनसिंग उइके ने ग्रामीणों से कहा कि भाजपा सरकार ने गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने, क्षेत्र में बिजली पहुंचाने, हर घर में नल से शुद्ध जल देने,ि कसानों को पीएम एवं सीएम किसान सम्मान निधि देने के साथ ही किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर खाद-बीज एवं नगद राशि उपलब्ध कराने के काम किया हैं। दो दिवसीय प्रवास के दौरान गंगा उइके के साथ भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं विधानसभा चुनाव जला संयोजक अनिलसिंह कुशवाह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शंकरराव चड़ोकार, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र यादव, महामंत्री शिवराज उइके एवं अश्विन राठौर, पूर्व जनपद अध्यक्ष चिरोंजीलाल कवड़े, पूर्व मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रमोद उर्फ लड्डु आर्य, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष हरि यादव, चिरापाटला सरपंच भलावी, मंडल उपाध्यक्ष संतोष यादव मौजूद रहे।

ताप्ती सरोवर पर नपा ने लगवाई सुरक्षा चेन, सीढ़ियों पर फिसलने से होते थे हादसे

मुलताई, देशबन्धु। पवित्र ताप्ती सरोवर पर नगर पालिका द्वारा लोहे की चैन लगाई गई है। इस चेन के माध्यम से लोग अब सुरक्षित स्नान कर पाएंगे। दरअसल ताप्ती सरोवर में जलस्तर ज्यादा है और सीढ़ियों पर काई होने के कारण लोगों के पैर फिसल जाते हैं। जिससे लोग दुर्घटनाग्रस्त हो कर घायल हो जाते थे। कई बार लोग गहरे पानी में भी चले गए हैं और कई लोगों की डूबने से मौत भी हो चुकी है।लंबे समय से ताप्ती सरोवर पर चैन लगाने की मांग की जा रही थी। अब पालिका ने विभिन्न घाटों पर अब लोहे की चैन लगा दी है। जिन्हें पकड़कर आसानी से स्नान किया जा सकता है।

श्रद्धालुओं ने जताई खुशी, कहा पहले होती थी परेशानीः श्रद्धालु सौरभ जोशी, राहुल कोड़ापे आदि ने बताया कि ताप्ती स्नान के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में उन्हें जलस्तर का अंदाजा नहीं रहता और वे सीधे गहरे पानी में चले जाते हैं। ऐसे में नदी के घाट पर लोहे की चैन लगाने की आवश्यकता थी और इसी के चलते नगर पालिका से इसको लेकर कई बार आग्रह किया गया है। जिसके बाद अब नगर पालिका ने लोहे की चेन लगाई है।

फिसलकर घायल हो रहे थे लोगः ताप्ती सरोवर पर स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालु घाटों पर फिसल कर लगातार घायल हो रहे थे, सीढ़ियों पर काई जमा होने की समस्या से लोगो को निजात नही मिल पा रही थी। ऐसे में अब चैन लगने से दुर्घटनाएं नही होगी।नगरवासियों और ताप्ती भक्तो में सरोवर पर चैन लगने से खुशी का माहौल दिखाई दिया।

रिंगरोड घुमावदार बनने से दुर्घटना का खतरा बना रहेगाः असलम

सिरोंज, देशबन्धु। समाजवादी पार्टी के असलम गौरी ने अनुभागी अधिकारी एवं जिले के अधिकारियों को एक आवेदन देकर कहा है कि सिरोंज बासौदा तिराहा से भोपाल रोड महामाया गेट तक करीब 5.75 किलोमीटर का मार्ग टैंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ ही स्थानीय पूंजीपति एवं भू व्यवसायी संभावित रूट पर भूमि क्रय हेतु सक्रिय हो गए परंतु यह स्पष्ट नहीं की किस स्थान से मार्ग बनाया जाएगा।

भू अधिग्रहण की कार्रवाई यदि समय पर पूर्ण हुई होती तो यह क्रय विक्रय एवं गुप्त समझौतों का दौर समाप्त हो जाता। टैंडर के बाद क्रय विक्रय भूमियों को तथा गुप्त समझौता वाले भू स्वामियों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से रोड को घुमावदार करते हुए गड्ढे खोद दिए। इस तरह के हालात पर रोड बनता है तो दुर्घटना एवं जनहानि का खतरा बना रहेगा। साथ ही लटेरी से निर्माणाधीन रोड पर पहुंचने वाले शासकीय सर्वे क्रमांक 442 व 403 प्रस्तावित पुल के नीचे पहुंचेंगे जो की राहगीर रोड की पहुंच से वंचित रहेंगे। असलम गौरी ने रिंग रोड को निर्धारित स्थलों के बीच सीधा एवं जनहित कारी बनाए जाने की मांग की।

सीहोरा खुर्द मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

गैरतगंज, देशबन्धु। छेड़छाड़ की शिकायत लेकर एसपी ऑफिस रायसेन जा रहे युवती के माता-पिता की सड़क दुर्घटना में मौत मामले में दूसरे दिन पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि बीते एक सप्ताह पूर्व सीहोरा खुर्द गांव के रहने वाली एक युवती की अश्लील वीडियो बनाकर छेड़छाड़ की घटना का मामला प्रकाश में आया था। परिजनों ने इसकी शिकायत गैरतगंज थाने में दर्ज कराई थी परन्तु आरोपियों द्वारा लगातार परिजनों को धमकाया एवं प्रताड़ित किया जा रहा था। जिसके चलते रामस्वरूप सेन, उनकी पत्नी संतोषी बाई एवं बेटी रक्षा बाइक पर सवार होकर रायसेन एसपी के पास शिकायत करने जा रहे थे तभी रायसेन पहुंचने से पहले अमरावत घाटी के पास एक बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी तथा दंपत्ति की इस घटना में मौत हो गई। वहीं बेटी गंभीर रूप से घायल है। इस मामले में दूसरे दिन पुलिस ने दो आरोपी कमल उर्फ कल्लू एवं विक्रम को गिरफ्तार किया तथा छेड़छाड़, फरियादी पक्ष को धमकाने सहित शांति भंग करने की धारा 151 का मामला कायम कर उन्हें न्यायालय में पेश किया वहां से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी महेश टांडेकर ने बताया कि आरोपियों को पकड़कर न्यायालय में पेश किया था जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोपी के मोबाइल को भी फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है।

मंदिर जा रही महिला के गले से सोने की चेन छीनकर भागे बाईक सवार

गंजबासौदा, देशबन्धु। मंदिर जा रही एक महिला के गले से सोने की चेन छीनकर बाईक सबार बदमाश भाग ने में सफल हो गए। जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल पर सवार 2 बदमाश घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। रविवार सुबह 11:15 बजे वार्ड नं 12 निवासी हर्षिता जैन अपनी 1 वर्षीय पुत्री के साथ मंदिर जा रही थी तभी महिला का पीछा करते हुए 2 आरोपियों ने जैन मंदिर के पास चकमा देकर महिला के गले से सोने की चैन छपट ली और मोटर साइकिल लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीओपी मनोज मिश्रा सिटी थाना प्रभारी संजीव चौकसे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। छानबीन में घटना स्थल पर सोने की चेन में लगा पेंडल भी बरामद हुआ, जो चैन झपटने की समय नीचे गिरा होगा। घटनास्थल के आसपास दो बड़े मंदिर भी हैं। पाश इलाके में दिन दहाड़े हुई घटना से नागरिकों में भारी आक्रोश देखने मिल रहा है। सिटी थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि आरोपियों की सर गर्मी से तलाश की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी खागाले जा रहे हैं। शीघ्र आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

भूतड़ी अमावस्याः कलेक्टर-एसपी ने किया आंवलीघाट का निरीक्षण

भेरुन्दा/रेहटी, देशबन्धु। भूतड़ी अमावस्या पर स्नान एवं पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आंवलीघाट पहुंचते है। 14 अक्टूबर को भूतड़ी अमावस्या पर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर प्रवीण सिंह एवं एसपी मयंक अवस्थी ने आंवलीघाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने संबंधी अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने घाट पर श्रद्धालुओं के सुगमता से आवागमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाए करने के साथ ही घाट पर आने वाले वाहनों के लिए पर्याप्त स्थान में पार्किंग, यातायात नियंत्रित करने के लिए बैरीकेटिंग, प्रकाश की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, अस्थायी शौचालय, अस्थाई चेंजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एएसपी गीतेश कुमार गर्ग, एसडीएम बुधनी राधेश्याम बघेल, जनपद पंचायत बुधनी सीईओ देवेश सराठे, नायब तहसीलदार पंकज पवैया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सलकनपुर मंदिर परिसर तक निजी वाहन प्रतिबंधितः सलकनपुर में चल रहे देवीलोक के निर्माण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए 14 सितम्बर से निजी वाहनों के मंदिर परिसर तक जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अधिकृत टैक्सी वाहन चलाए गए है, जिससे श्रद्धालु मंदिर तक आ-जा सकेंगे। निजी वाहनों से आने वाले श्रद्धालु नीचे बनाई गई पार्किंग में अपने वाहन खड़ा करेंगे और अधिकृत टैक्सी वाहन से मंदिर तक आ-जा सकेंगे।

त्योहारों को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

मुरैना, देशबन्धु। आगामी त्योहारों एवं विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शहर के प्रमुख मार्गों पर पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने फ्लैग मार्च निकाला एवं रास्ते में दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

राकेश गुप्ता नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली सुनील खेमरिया एवं थाना प्रभारी स्टेशन रोड श्रीमती राजकुमारी परमार थाने की पुलिस तथा पुलिस लाइन के बल के साथ शनिवार की शाम शहर में पैदल भ्रमण कर फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें थाना पुलिस मोबाइल भी साथ में रही। आम जनता का पुलिस के प्रति विश्वास एवं समन्वय स्थापित किया गया। भ्रमण के दौरान रास्ते में दुकानदारों द्वारा किए गए, अतिक्रमण को हटाया गया एवं भविष्य के लिए हिदायत दी गई ताकि आगामी त्योहारों में आम जनता को आने-जाने में कोई परेशानी न हो। यह पैदल मार्च आगे भी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए लगातार जारी रहेगा।

कचरे के ढेर में तब्दील शहर, आक्रोषित कर्मचारियों ने निगम प्रांगण में फेंका कचरा

मुरैना, देशबन्धु। पिछले 7 दिन से शहर में नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण पूरा शहर गंदगी के देर में तब्दील हो गया है और भीषण बदबू फैलने से बदलते मौसम में लोग तमाम बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। जगह-जगह बस्तियों में चौराहों पर कचरे के विशाल ढेर लगे हुए हैं, लेकिन निगम अधिकारी एवं जिला प्रशासन हड़ताल को समाप्त करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं कर रहा। इधर निगम अधिकारियों द्वारा प्राइवेट जेसीबी मशीन से कचरा भरवाने का काम जब रविवार को किया गया तो आक्रोशित सफाई कर्मचारियों ने एक वाहन में कचरा भरकर नगर निगम कार्यालय के प्रांगण में फेंक दिया और अपना आक्रोश जताया। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि जब प्राइवेट कचरा उठाने वालों को रुपया दे सकते हैं तो कर्मचारियों को क्यों नहीं दे सकते।

ऊनी वस्त्र, कॉपी, पेंसिल पाकर दिव्यांग खुश, लायंस क्लब के पंचानन सेवा सप्ताह का समापन

मुरैना, देशबन्धु। मुख्यालय पर समाजसेवी संस्था लायंस क्लब के सभी संगठनों ने संयुक्त रूप से गणेशपुरा स्थित स्थित दिव्यांग आश्रम में पहुंचकर बच्चों को नाश्ता कराते हुए उन्हें ऊनी वस्त्र, कॉपी, पेंसिल आदि सामान दिया, जिसे पाकर बच्चे काफी प्रसन्न हुए। रीजन चेयर पर्सन एडवोकेट सपना बंसल ने बताया कि सभी लायंस क्लब मुरैना द्वारा सेवा सप्ताह पंचानन 1 से 8 अक्टूबर चलाया गया, जिसका समापन रविवार को दिव्यांग शिविर के आयोजन के साथ हुआ। आयोजक लायंस क्लब मयूरवन ने दिव्यांग आश्रम पर जाकर लगभग 100 बच्चों को ऊनी वस्त्र, किताब, कॉपियां, ग्लास, चम्मच, मोजे सहित अन्य सामान वितरित किया, साथ ही बच्चों को स्वल्पाहार कराकर जूस भी पिलाया। इस मौके पर विशेष रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर रीजन चेयर पर्सन एडवोकेट सपना बंसल ने पूरे सेवा सप्ताह में बेहतरीन कार्य करने वाले सभी क्लबो को अपनी तरफ से डिस्ट्रिक्ट लायंस पिन भी वितरित की। समापन कार्यक्रम में लायंस क्लब मयूर वन के अध्यक्ष अविनाश अग्रवाल, सचिव रोहित गोलश, सुनील गर्ग, संजीव जिंदल, नितिन अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, बृजेंद्र गुप्ता, विपिन मित्तल, जुगल गुप्ता, श्याम बंसल, श्याम गोयल, विक्की गोयल, विष्णु गर्ग, रिंकू बंसल, राहुल महेश्वरी, कमलेश बसल, बॉबी वर्मा, संजय अग्रवाल, गंभीर सिंह नरवरिया, कोऑर्डिनेटर कौशल मंगल, जोन चेयर पर्सन समीर बांदिल, लायंस क्लब मुरैना वेस्ट अध्यक्ष अमित गुप्ता, प्रमोद सिंघल, मनोज अग्रवाल, इकबाल गौरी, संजय गुप्ता, रश्मि बंसल, रेखा बांदिल, बबिता जैन, माणिक्य अध्यक्ष निधि गुप्ता, आयुष गुप्ता, जतिन कुमार जैन, संजय गुप्ता, लायंस क्लब एलिट अध्यक्ष नीता बांदिल, अंबाह सेंट्रल अध्यक्ष सुरजीत सिंह मावई, सेक्रेटरी संजीव वर्मा आदि उपस्थित रहे।

सार समाचार

पितरों की शांति के लिए भागवत का मूल पाठ जरूरी : तिवारी

इटारसी, देशबन्धु। श्राद्ध पक्ष में पितरों की शांति के लिए भागवत कथा का मूल पाठ करना चाहिए। यह बात श्रीमद् भागवत कथा वाचक शुभम तिवारी ने मालवीयगंज में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं से कही।

श्री तिवारी ने श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस धुंधकारी का उद्धार कैसे हुआ, इसका वर्णन अपनी कथा में किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पितरों को मोक्ष की प्राप्ति कैसे हुई। उन्होंने कह ाकि श्रीमद् भागवत कथा का मूल पाठ में 18000 श्लोक, 335 अध्याय, 12 स्कंद का पाठ करने से सात पीढ़ी तर जाती हैं। उन्होंने कथा के दौरान जीवन का सार भी बताया।

कुख्यात गांजा तस्कर 4 किलो मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार

इटारसी, देशबन्धु। सिटी पुलिस को गांजा तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस ने गांजा तस्कर से करीब साठ हजार रुपए कीमत का अवैध गांजा बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र नर्मदापुरम तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) इटारसी महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इटारसी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थ के तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते थाना इटारसी को सफलता मिली। उक्त प्रभावी कार्यवाही के दौरान एक कुख्यात गांजा तस्कर को सफतापूर्वक गिरफ्तार कर 60,000 रुपये कीमत का 04 किलो 80 ग्राम

अवैध मादक पदार्थ गांजा विधिवत जब्त किया है।

थाना इटारसी में मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि इटारसी का एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा एक पिट्ठू बैग में रखकर उसे खपाने की फिराक में तीन पुलिया के पास खड़ा है। उक्त प्राप्त सूचना पर थाना प्रभारी इटारसी ने एक टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने प्रभावी कार्यवाही करते हुये मौके पर तत्काल पहुंचे जहां एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। उसे घेराबंदी कर बामुशकिल पकड़ा।

पुलिस ने उससे नाम पता पूछने पर अपना नाम अर्जुन कुचबंदिया पिता शंकरलाल कुचबंदिया उम्र 45 साल निवासी नाला मोहल्ला इटारसी होना बताया। उक्त व्यक्ति के कब्जे से कुल अवैध मादक पदार्थ 04 किलो 80 ग्राम कीमती करीबन 60,000 रुपये का विधिवत जब्त किया तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष विधिवत पेश किया है। थाना इटारसी पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की अवैध तस्करी पर कड़ी से कडी कार्यवाही करते लगातार बडी बडी कार्यवाही पूर्व में भी की गयी है तथा लगातार वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश के परिपालन में इस तरह की कार्यवाही की जायेगी।

न्यास कॉलोनी में बनेगा खेल मैदान

इटारसी, देशबन्धु। सुधार न्यास कालोनी में क्रिकेट मैदान की सौगात मिलने वाली है। आज न्यास कॉलोनी इटारसी में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे एवं जिला सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ खिलाड़ी जितेंद्र ओझा, सत्येंद्र पाल जग्गी, सभापति राकेश यादव, मनजीत कलोसिया, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर सहित क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ न्यास कॉलोनी के बड़े ग्राउंड पहुंचकर निरीक्षण किया।

उन्होंने ग्राउंड की व्यवस्था के लिए निर्देशित किया साथ ही विधायक ने बताया कि क्रिकेट के बच्चों के लिए एक अच्छा खेल मैदान बनाया जाएगा, उसके लिए शासन द्वारा नई जगह का चयन किया जा रहा है, किंतु वर्तमान में तुरंत प्रैक्टिस के लिए न्यास कॉलोनी के बड़े ग्राउंड को व्यवस्थित करना के निर्देश दिए जा रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया हम कल से ही साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु करने के लिए नगर पालिका कर्मचारियों को निर्देशित कर रहे हैं। उम्मीद है कि इस हफ्ते प्रैक्टिस के लिए यह ग्राउंड तैयार हो जाएगा।

क्रिकेट खिलाड़ी अनिल राठी एवं जितेंद्र ओझा ने बताया कि इस हफ्ते इस ग्राउंड में खिलाड़ियों के बीच एक प्रैक्टिस मैच का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें अध्यक्ष-11 पत्रकार-11 एवं अधिवक्ता-11 के साथ क्रिकेट खिलाड़ी आपस में क्रिकेट खेलते दिखेंगे। न्यास कॉलोनी में लगातार सौगात के लिए नगर पालिका परिषद में सभापति एवं वार्ड पार्षद अमृता मनीष ठाकुर ने विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा एवं पंकज चौरे नगर पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर धर्मेंद्र रणसूरमा, शैलेंद्र पाली सहित क्रिकेट खिलाड़ी उपस्थित थे।

चाणक्य चौक के लिए सनाढ्य ब्राह्मण सभा नपाध्यक्ष को सौंपेगी स्मरण पत्र

इटारसी, देशबन्धु। सनाढ्य ब्राह्मण सभा की मासिक बैठक का आयोजन सभा के कार्यकारी अध्यक्ष जयंत शर्मा के न्यास कॉलोनी स्थित आवास पर किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं सभा के संरक्षक दिनेश थापक ने की एवं संचालन सभा के सचिव घनश्याम शर्मा ने किया। प्रवक्ता दिलीप शर्मा ने बताया कि मंच सचिव घनश्याम शर्मा ने माह अगस्त 2023 की मासिक बैठक की कार्यवाही का वाचन किया। समाज के 15 वयोवृद्धों के सम्मान एवं 27 वे स्थापना दिवस की कार्यवाही की जानकारी दी। रेस्ट हाउस चौराहे को चाणक्य चौक घोषित होने में हो रहे विलंम्ब के लिए नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौराहे से भेंट कर स्मरण पत्र सौंपने पर सहमति बनी। कोषाध्यक्ष शिवनारायण बुधोलिया ने सभा के आय एवं व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया एवं सुझाव दिया कि माह में पड़ने वाले मंच सदस्यों के जन्म दिवस मासिक बैठक दिवस मनाया जाए। बुधोलिया के सुझाव को बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्व सहमति से पारित किया। श्राद्ध दिवस समाप्त होने के उपरांत सनाढय ब्राह्मण युवा सभा एवं सनाढ्य ब्राह्मण महिला सभा के गठन पर सहमति बनी। सभा अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने श्राद्ध दिवसों में पुरखों के लिए किये जाने वाले तर्पण की तर्पण विधि के पत्रों का वितरण बैठक में उपस्थित सदस्यों को किया। संरक्षक दिनेश स्थापक ने कहा कि मंच की समाज हितैषी गतिविधियां सराहनीय हैं एवं आने वाले समय में आप सभी के सहयोग से अनेक सामाजिक कार्य किए जाएंगे। कार्यकारी अध्यक्ष जयंत शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

बैठक में अशोक ढिमोले, महादेव प्रसाद शर्मा,ललित तिवारी, चंद्रकांत शर्मा ,अनिरुद्ध चंसौरिया, महेंद्र पचौरी, बृजकिशोर शर्मा, सुनील उपाध्याय, आशुतोष दुबे, कमलेश शर्मा, पवन दुबे, संतोष शर्मा, विनय मिश्रा, सुनील मिश्रा आदि अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

हांडी फोड़, कुर्सी दौड़, फुग्गा दौड़ सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई

इटारसी, देशबन्धु। अग्रसेन जयंती महोत्सव आज रविवार से प्रारंभ हुआ जिसमें प्रथम दिवस सुबह खेलकूद बौद्धिक कौशल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें आज के बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सबसे पहले बच्चों की कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता हुई, इसके बाद फुग्गा दौड़, पासिंग द पास, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, हांडी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की है। संयोजक अमल अग्रवाल ने बताया कि आज खेलकूद प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा जिन बच्चों को प्रथम द्वितीय और तृतीय श्रेणी में रखा है। उसमें हांडी फोड़ प्रतियोगिता में हृदयांश हेमंत अग्रवाल, आदी अंशुल अग्रवाल, पर्व विवेक मित्तल, अनय अभिषेक अग्रवाल, लक्ष्य अमल अग्रवाल, श्रीनव सत्यम अग्रवाल, नित्यंश अग्रवाल, गोरिश अग्रवाल। वर्ग 1 बालक फुग्गा दौड़, प्रथम प्रियांश सुर्दशन अग्रवाल, द्वितीय कार्तिक अग्रवाल, तृतीय अनंत अखिलेश अग्रवाल, वर्ग 1 बालिका प्रथम नीरज गोयल, यशस्वी दीपक अग्रवाल, द्वितीय निकिता नीतिशा वस्ल, तृतीय वान्या मित्तल, आरना विदित अग्रवाल। पासिंग द पास वर्ग 1 में प्रथम भाविक दीपेश अग्रवाल, द्वितीय कार्तिकेय अग्रवाल, तृतीय तनय हेमंत अग्रवाल, बालिका वर्ग में प्रथम अविका सौरभ अग्रवाल, द्वितीय आरना शुभम अग्रवाल, तृतीय निहारिका आशीष अग्रवाल, वर्ग 2 में प्रथम रुद्राश ब्रजेश अग्रवाल, द्वितीय गौरेश बंटी अग्रवाल, तृतीय कनिष्क रितेश अग्रवाल, वर्ग 2 कुर्सी दौड़ में मनीश अग्रवाल, भूमिका विशाल अग्रवाल, द्वितीय मिठी कमल मित्तल, वर्ग 3 प्रथम गर्व मित्तल विवेक मित्तल, पर्व अग्रवाल मनोज अग्रवाल, वंश अग्रवाल सुनील अग्रवाल।

सत्तर प्रतियोगियों ने दिया मानस विषय पर साक्षात्कार

इटारसी, देशबन्धु। विगत 8 अक्टूबर ऋषिकुल संस्कृत विद्यालय नर्मदापुरम द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के साक्षात्कार श्री प्रेमशंकर दुबे स्मृति पत्रकार भवन में संपन्न हुए। इस संपूर्ण प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. वैभव शर्मा नर्मदा पुरम हैं। कुल चयनित 87 प्रतियोगियों में से लगभग 70 प्रतियोगियों ने साक्षात्कार में भाग लिया। श्री रामचरितमानस पर आधारित प्रश्न पत्र जुलाई से सितंबर माह तक वितरित किए गए थे। स्कूल, कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। जो प्रश्न पत्र में 90 अंक से अधिक लेकर आए थे, उनका मौखिक साक्षात्कार आयोजित किया गया था।। पत्रकार भवन में सुश्री मंजू ठाकुर, रोहित नागे, अरविंद शर्मा, भूपेंद्र विश्वकर्मा, राहुल शरण ने प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे। साक्षात्कार की व्यवस्था में नर्मदापुरम से भूपेंद्र सिंह चौहान एवं इटारसी से प्रमोद पगारे ने साक्षात्कार व्यवस्था में सहयोग किया।

बुदनी-बरखेड़ा के मध्य नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते लगभग 2 दर्जन जोड़ियां गाड़ियां रहेंगी प्रभावित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भोपाल मण्डल के भोपाल-इटारसी रेल खंड पर बुदनी-बरखेड़ा (घाट सेक्शन) के मध्य तीसरी लाइन चालू करने के सम्बंध में बुदनी, मिडघाट, चौका एवं बरखेड़ा स्टेशनों पर प्री नॉन-नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। पश्चिम मध्य रेल भोपाल के जनसम्पर्क अधिकारी द्वारा बताया गया कि प्री नॉन-नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान इस खंड पर चल रहीं कुछ गाड़ियों को निर्धारित तिथियों में प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। जिनमें गाडी संख्या 19343 इंदौर-सिवनी पँचवेली एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 19344 छिंदवाड़ा-इंदौर पँचवेली एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12153 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रानी कमलापति एक्सप्रेस 26 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 12154 रानी कमलापति-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 27 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 22187-22188 रानी कमलापति-अधारताल-रानी कमलापति इंटरसिटी एक्सप्रेस 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक दोनों दिशाओं में निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12061 रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 12062 जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 06603-06604 बीना-कटनी मुड़वारा-बीना मेमू स्पेशल 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 02575 हैदराबाद डेकन नामपल्ली-गोरखपुर जंक्शन एक्सप्रेस 13 अक्टूबर एवं 20 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 12576 गोरखपुर - हैदराबाद डेकन नामपल्ली एक्सप्रेस 15 अक्टूबर एवं 22 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 14624 फिरोजपुर छावनी जंक्शन-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस 14 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 14623 सिवनी-फिरोजपुर छावनी जंक्शन पातालकोट एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 05303 गोरखपुर-महबूबनगर एक्सप्रेस 14 अक्टूबर एवं 21 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 15304 महबूबनगर-गोरखपुर एक्सप्रेस 16 अक्टूबर एवं 23 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 09715 हिसार-तिरुपति एक्सप्रेस 14 अक्टूबर एवं 21 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 09716 तिरुपति-हिसार एक्सप्रेस 17 अक्टूबर एवं 24 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12720 हैदराबाद डेकन नामपल्ली-जयपुर एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 12719 जयपुर-हैदराबाद डेकन नामपल्ली एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12923 डॉ अम्बेडकर नगर-नागपुर एक्सप्रेस 24 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 12924 नागपुर-डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस 25 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 12191 हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 18234 एक्सप्रेस 14 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 18233 इंदौर- बिलासपुर एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12171 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 12172 हरिद्वार -लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 17 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 14 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस 16 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 12405 भुसावल-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 12406 हजरत निजामुद्दीन-भुसावल एक्सप्रेस 13 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 20481 भगत की कोठी-तिरुच्चिरापल्ली हमसफर एक्सप्रेस 18 अक्टूबर एवं 25 अक्टूबर को तथा गाड़ी संख्या 20482 तिरुच्चिरापल्ली-भगत की कोठी हमसफर एक्सप्रेस 21 अक्टूबर एवं 28 अक्टूबर को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 00653 रोयापुरम-पटेल नगर एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 00654 पटेल नगर-रोयापुरम एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 00651 कोयम्बटूर नार्थ-पटेल नगर एक्सप्रेस 14 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 00652 पटेल नगर - कोयम्बटूर नार्थ एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 00629 यशवंतपुर-तुगलकाबाद एक्सप्रेस 14 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 00630 तुगलकाबाद-यशवंतपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 00637 सरएम विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु-ओखला एक्सप्रेस 15 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक तथा गाड़ी संख्या 00638 ओखला-सरएम विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस 18 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक निरस्त रहेगी। यात्रीगण असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस या 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

निनाद सिंगर्स 13 अक्टूबर को अनोखे अंदाज में मनायेंगे किशोर दा का पुण्य स्मरण दिवस

इटारसी, देशबन्धु। मशहूर पार्श्व गायक किशोर कुमार का पुण्य स्मरण दिवस 13 अक्टूबर को शाम 7 बजे से पंडित भवानीप्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम में मनाया जाएगा। इस दिन प्रतिष्ठित संगीत संस्था निनाद सिंगर्स के 12 सिंगर्स किशोर कुमार के गीत गायेंगे। कार्यक्रम दो चरणों में होगा जिसमें पहले चरण में किशोर कुमार के वे मूडी और अलबेले गीत गाये जाएंगे जो उनके अलहदा अंदाज के लिए जाने जाते हैं। दूसरे चरण में रोमांटिक गीत गाये जाएंगे। आज रविवार को यहां एक रेस्टॉरेंट में आयोजित पत्रकार वार्ता में निनाद सिंगर्स के अध्यक्ष आलोक गिरोटिया ने बताया कि 13 अक्टूबर को कवि पं.भवानी प्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम में देश के ख्याति प्राप्त पार्श्व गायक

किशोर कुमार के पुण्यस्मरण दिवस पर उनको गीतों के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

संगठन के अमिताभ बैस ने बताया कि इस कार्यक्रम में न सिर्फ अलबेले किशोर के बेहतरीन नगमों को शामिल किया गया है, बल्कि इस कार्यक्रम के माध्यम से शहर में नवोदित गायकों को बढ़ावा दे रहे कराओके ग्रुप के संचालकों, संगीत कार्यक्रम के आयोजनकर्ता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं और उसके संचालकों को भी सम्मानित किया जायेगा। निनाद की वर्षों की परंपरा को जारी रखते हुये इस बार दर्जनों फिल्म व सैंकड़ों टी वी सीरियल्स व वेब सीरिज के माध्यम से शहर का गौरव बढ़ाने वाले अभिनेता राहुल चेलानी को (रशोकि रमाकु) सम्मान से नवाजा जायेगा।

इस कार्यक्रम में निनाद सिंगर्स को प्रोत्साहित करने अतुल सेठा, हेमंत शुक्ला, रोटरी क्लब अध्यक्ष नारायण चौरसिया, लायंस क्लब इटारसी फ्रेण्डस के अध्यक्ष राजेन्द्र सोनी, राजीव दीवान व भारतभूषण गांधी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। निनाद सिंगर्स के संरक्षक डॉ सीतासरन शर्मा, जितेन्द्र ओझा व रमेश के साहू हैं। वे भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे। सहसचिव शशांक बैसाखिया ने सभी संगीतप्रेमी जनता से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। इस अवसर पर प्रदीप बैस, चंद्रेश मालवीय, संजय दीवान, विशाल पांडेय, अनिल शुक्ला सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गांधी मंच को लेकर बैठक आयोजित, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि बोले

समाजसेवी नहीं कराएंगे तो नपा कराएगी मंच का पुनर्निर्माण

वर्ष 1987 में स्व. गेंदालाल जैन ने कराया था गांधी मंच का निर्माण

सोहागपुर। नगर के ऐतिहासिक गांधी मंच के पुनर्निर्माण को लेकर एक बैठक का आज श्री राम नाट्य समिति सोहागपुर द्वारा किया गया। गांधी मंच पर आयोजित इस बैठक में नपाध्यक्ष सहित वरिष्ठ समाजसेवी शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 1987 में स्व. गेंदालाल जैन ने गांधी मंच निर्माण कराया था, जिसकी स्थित आज जर्जर हो चुकी है और इसके पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। बैठक में नपाध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेलल ने आश्वस्त किया कि यदि इस कार्य के लिए यदि कोई आगे नहीं आता तो मंच का पुनर्निर्माण नगर पालिका परिषद कराएगी।

बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी कृष्णा पालीवाल ने कहा कि पहले जिन्होंने स्वयं के खर्च पर मंच का निर्माण कराया था अब तक उनका नाम मंच पर लिखा था, लेकिन अब वर्तमान में व्यक्तिगत

रूप से जो मंच का पुनर्निर्माण कराएगा, उसके परिवार का नाम मंच पर लिखा जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल ने मौजूद लोगों के बीच कहा कि पहले मंच का निर्माण जैन परिवार के स्व. गेंदा लाल जैन द्वारा वर्ष 1987 में कराया गया था। अब यह मंच क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिसके नव निर्माण की दरकार है। मेरी जानकारी में समाजसेवी मुकेश मालवीय द्वारा अपने परिजनों की स्मृति में मंच के पुनर्निर्माण की बात कही गई थी, इसलिए नगर परिषद में प्रस्ताव पारित होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं कराया गया था। यदि वह निर्माण कार्य कोई कारण से नहीं करवा पा रहे हैं तो आगामी विधानसभा चुनाव के बाद नगर परिषद द्वारा मंच का पुनर्निर्माण करवा दिया जाएगा। जैन समाज के अध्यक्ष अभिषेक जैन और सोनेश जैन ने मौजूद लोगों के बीच कहा कि जिन्होंने दशकों पूर्व यह निर्माण कराया था यदि पुनर्निर्माण के दौरान हटा भी दिया जाता है तब भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी, पुनर्निर्माण कराने वाले अपना नाम लिख सकते हैं। समाजसेवी मुकेश मालवीय ने कहा कि मंच के ऊपर एक अतिरिक्त कक्ष एवं सीढी के निर्माण के कारण लागत अधिक आ रही थी एवं तकनीकी रूप से भी वह उचित नहीं लग रहा था इसलिए विचार आगे नहीं बढ़ाया था अब यदि सिर्फ मंच के निर्माण और रामलीला की कुछ सामग्री के रखने की व्यवस्था की बात है तो मैं निर्माण कराने के विषय में पुनर्विचार करूंगा। समाजसेवी संजीव शुक्ला ने कहा कि यदि श्री मालवीय मंच का नव निर्माण करा दें तो अच्छा है और नहीं तो शासकीय भूमि पर यदि नगर परिषद गांधी मंच का पुनर्निर्माण कराएगी तो और बेहतर रहेगा।

उल्लेखनीय है कि कई ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साक्षी रहे गांधी मंच पर प्रतिवर्ष श्री रामलीला का मंचन भी होता है। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी जे.एन. शिवहरे , हीरालाल गोलानी , गजेंद्र सिंह चौधरी , ज्ञानी सुरजीत सिंह , देवांशु शर्मा , राजेंद्र नामदेव , केदार चौरसिया , पंडित कैलाश नारायण परसाई , जीवन दुबे , अखिलेश मालवीय , शैलेंद्र शर्मा , अनिल जैन , संजय दीक्षित , सुनील कसेरा , विशाल राठौर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्लोबल स्किल पार्क : युवाओं के कौशल विकास का बड़ा केन्द्र

मध्यप्रदेश में युवाओं के कौशल विकास पर मुख्य जोर दिया जा रहा है ताकि वे विभिन्न रोजगारोन्मुखी कार्यों में बेहतर ढंग से दक्षता हासिल कर सकें। भोपाल में स्थापित संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में इस स्किल पार्क का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल स्किल्स पार्क मेरा सपना और संकल्प था। 2016 में जब सिंगापुर यात्रा के दौरान इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नीकल एजूकेशन की विश्व स्तरीय तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को देखा तब मैंने विश्व स्तरीय स्किल्स पार्क मध्यप्रदेश के बच्चों के लिए स्थापित करने का संकल्प लिया था, जिससे प्रदेश के बच्चों के भविष्य को बेहतर बना सकें। ऐसा प्रशिक्षण दे सकें जिससे उन्हें तत्काल रोजगार प्राप्त हो। ग्लोबल स्किल पार्क इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश के बच्चे अब 12वीं के बाद ही स्किल सीख कर तत्काल रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

संत शिरोमणि स्किल्स पार्क का निर्माण 6 सौ करोड़ की लागत से हुआ

ग्लोबल स्किल्स पार्क का निर्माण 36 एकड़ में लगभग 600 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। यहाँ उच्च स्तरीय प्रयोगशालाएँ, उद्योग की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम, स्मार्ट क्लॉस-रूम और हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध है। 12 मॉडर्न कोर्सेस, जिसमे प्रिसिजन इंजीनियरिंग, मेकाट्रोनिक्स, नेटवर्किंग एण्ड सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कंडिशनिंग, ऑगमेंटेड रियलिटी एवं वर्चुवल रियलिटी, मैकेनिकल एण्ड इलेक्ट्रिकल सर्विसेज़, ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, ई-स्पोर्ट्स, मोबाईल इलेक्ट्रॉनिक्स, पॉवर एण्ड कंट्रोल का संचालन किया जायेगा। संस्थान से प्रतिवर्ष 6 हजार छात्रों को विश्व-स्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। उद्योगों की जरूरतों के अनुसार संस्था के लैब में आधुनिकतम उपकरण उपलब्ध हैं।

4 नए ग्लोबल स्किल्स पार्क बनेंगे

प्रदेश में 4 नए ग्लोबल स्किल पार्क स्थापित किए जाएंगे। जबलपुर, ग्वालियर, सागर एवं रीवा में बनेंगे। प्रत्येक पार्क की लागत लगभग 673 करोड़ रुपए होगी। प्रत्येक संस्थान का निर्माण 25 एकड़ भूमि में किया जायेगा। पार्कों की स्थापना पर कुल 2 हज़ार 695 करोड़ का व्यय किया जायेगा।

नई परिवहन क्रांति की ओर बढ़े कदम

साकार हुआ मेट्रो ट्रेन का सपना, आसान होगा सफर

राजधानी भोपाल और इंदौर में मेट्रो का सपना साकार हो गया है। प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी इंदौर में इस ट्रेन के ट्रायल के बाद भोपाल में भी मेट्रो ट्रेन का ट्रायल के साथ ही प्रदेश में नई परिवहन क्रांति की शुरूआत हो गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में भोपाल मेट्रो रेल के ट्रायल रन का सुभाष नगर डिपो से हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने मेट्रो रेल में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक सफर किया।

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के बीच पांच किलोमीटर लंबे भाग में 5 स्टेशन हैं, जिनकी आधारभूत संरचनाओं का काम प्राकृतिक बाधाओं के बावजूद बहुत तेजी से पूरा किया गया। नौ किलोमीटर के ट्रेक बिछाने का कार्य पांच माह में पूर्ण किया गया। मात्र 90 दिन में पटरियों के साथ चलने वाली ट्रेक्शन थर्ड रेल तथा 7 टर्नआउट्स का विद्युतीकरण भी किया गया और केवल 60 दिनों में 5 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर लगाए गए, जो अपने आप में उपलब्धि है।

मेट्रो ट्रेन से समय और पैसा दोनों की बचत होगी। भोपाल वासियों को सुरक्षित-सुगम-सुविधापूर्ण सस्ता और सुंदर परिवहन का साधन उपलब्ध होगा, और शहर का प्रदूषण भी कम होगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से संपन्न मेट्रो के कोच में स्मार्ट लाईटिंग, एयर कडिंशन्स, स्मार्ट डिस्पले, एआई सी.सी. टी.वी. कैमरे आदि की सुविधा होगी। लगभग 6 हजार 941 करोड़ की भोपाल मेट्रो परियोजना कुल लम्बाई 31 किलोमीटर होगी, करोंद चौराहे से एम्स तक 16.77 किलोमीटर, रत्नागिरि तिराहे से भदभदा चौराहे तक 14.18 किलोमीटर पर यह रेल चलेगी। पहले चरण में सुभाष नगर एम्स तक 7 किलोमीटर लम्बे रूट पर मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा। हालांकि भोपाल मेट्रो का नियमित संचालन अगले साल जून से प्रारंभ होगा। मेट्रो रेल के स्टेशन भी विशेष होंगे। जहाँ पर लिफ्ट एवं एस्केलेटर आदि की सुविधा, बुजुर्गों के लिए विशेष व्यवस्था और ऑनलाइन टिकिटिंग की सुविधा होगी।

हमारा तांगे वाला भोपाल, अब मेट्रो वाला भोपाल हो गया है

भोपाल में मेट्रो ट्रायल के साथ ही हमारा तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो रेल वाला भोपाल हो गया है। मेट्रो रेल भोपाल में परिवहन की नई क्रांति लाएगी, और विकास पथ पर भोपाल तीव्रगति से दौड़ेगा। भोपाल मेट्रो का विस्तार सीहोर, मण्डीदीप के साथ-साथ रायसेन और विदिशा तक भी किया जाएगा।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना : राजेश के व्यवसाय को बढ़ाने में हुई सहायक

बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अनेक रोजगारोन्मुखी योजनाएं चलाई जा रही है। योजनाओं का लाभ लेकर युवा स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर रहे है। साथ ही अपने पुराने व्यवसाय को भी बढ़ा रहे हैं। सीहोर जिले के ग्राम भटोनी निवासी श्री राजेश मेवाडा ने भी मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को बढ़ाया है। राजेश को योजना के तहत 10 लाख रुपए की ऋण राशि प्रदान की गई है। राजेश का स्वयं का टेंट हाउस एवं डेकोरेशन का कार्य है। राजेश बहुत समय से अपने इस व्यवसाय को सफलता पूर्वक चला रहे है। राजेश बताते है कि विगत कुछ दिनों से उन्हें अपने व्यवसाय में मंदी दिख रही थी। जब उन्होंने इस पर विचार किया तो पता चला कि उनका टेंट एवं लाइट का सामान पुराना होने की वजह से उनका काम पहले जैसा नहीं चल रहा। राजेश बताते हैं कि नया सामान खरीदने के लिए उन्हें पैसों की आवश्यकता थी। तब ग्राम के ही एक वरिष्ठ व्यक्ति ने उन्हें मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के बारे में जानकारी दी। योजना का पता चलते ही राजेश ने तुरंत योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन किया और उन्हें ऋण प्रदान किया गया। इससे अब उनका व्यवसाय और बेहतर हो गया है।

गरीब मरीजों के लिए संजीवनी बनी आयुष्मान भारत योजना

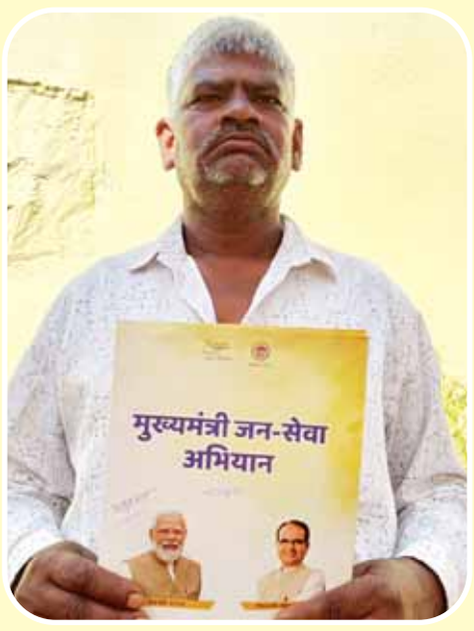

सरकार द्वारा मरीजों को त्वरित और समुचित ईलाज उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही कोई भी मरीज ईलाज से वंचित ना रहे, इसके लिए सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना भी चलाई जा रही है। जिसमें पात्र हितग्राही निजी अस्पतालों में एक साल में पांच लाख रु तक का ईलाज निःशुल्क करा सकता हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह योजना संजीवनी का काम कर रही है। रायसेन जिले के सांची जनपद निवासी श्री नारायण सिंह आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत आयुष्मान कार्ड मिलने से बेहद खुश हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देते हुए नारायण सिंह कहते हैं कि आयुष्मान कार्ड बन जाने से अब ईलाज की चिंता दूर हो गई है।

पारधीपुरा में अब हर घर में नल से मिल रहा जल

भोपाल जिले के बैरसिया से 18 किलोमीटर दूर ग्राम पारधीपुरा आदिवासी टोला गांव में अधिकांश जनजातीय वर्ग के लोग निवास करते हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पारधीपुरा में पानी की टंकी रखाई गई है जिसकों लगातार रिफिल भरा जाता है। यहीं से पूरे गांव में पानी की सप्लाई होती है पारधीपुरा में मात्र एक हैंडपंप है। पारधीपुरा की महिलाएं 300 से 400 लीटर पानी भर-भर कर ले जाती थी। इसी नल से पूरा पारधीपुरा पानी पीता था। जीवन मिशन के आने से अब घर-घर तक लोगों को पानी मिल रहा है। घर-घर नल कनेक्शन से पारधी समुदाय की महिलाओं में खुशी का माहौल बन गया है। 2 घंटे तक पानी आने का समय बर्बाद हो जाता था, जिससे मेहनत मजदूरी के लिए समय कम मिलता था। घर में नल कनेक्शन के बाद अब पानी आने से घर में आनन्द सा माहौल बन गया है।

बढ़ीं स्वास्थ्य सुविधाएं, बेहतर हुआ इलाज

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का जाल बिछाया जा रहा है। मरीजों, गरीबों को बेहतर इलाज और आज की चिकित्सा आवश्यकताओं की पूर्ति करने के उद्देश्य से जगह-जगह स्वास्थ्य, अधोसंरचना और सेवाओं का विस्तार हो रहा है। भोपाल स्थित शासकीय महात्मा गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय में 2 हजार बिस्तरीय अस्पताल की शुरूआत की गई है। इससे जन सामान्य को स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध हो रही हैं।

बढ़ती स्वास्थ्य अधोसंरचना

- वर्ष 2002-03 में स्वास्थ्य का बजट मात्र 578 करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2023-24 में लगभग 20 गुना बढ़कर 11 हजार 988 करोड़ रुपए हो गया है।
- भोपाल तथा ग्वालियर मेडिकल कॉलेज की बिस्तर क्षमता को कुल 2 हजार 500 बिस्तर तक बढ़ाया गया।
- इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में चार नए सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल प्रारंभ। ग्वालियर में 1 हजार बिस्तरीय अस्पताल भी प्रारंभ।
- 2003 में डॉक्टर्स और पैरा-मेडिकल स्टाफ की संख्या लगभग 7500 थी, जो अब बढ़कर 51 हजार से अधिक हो चुकी है।
- वर्ष 2003 तक प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 5 थी, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 24 हो चुकी है।
- वर्ष 2014 तक प्रदेश में एमबीबीएस की 720 सीटें उपलब्ध थी, जो अब बढ़कर 2 हजार 205 हो चुकी हैं।
- जिला अस्पतालों एवं सिविल अस्पतालों में नि:शुल्क सी.टी. स्केन की सुविधा उपलब्ध।
- सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 80 प्रकार की जाँचें नि:शुल्क की जा रही हैं।
- सभी उप-स्वास्थ्य केंद्रों में 17 प्रकार की जाँचें नि:शुल्क की जा रही हैं।

सरकारी मदद और प्राकृतिक खेती से बढ़ा कृषि उत्पादन

हेमराज जैसे उन्नतशील किसानों के प्रयास ही सरकार को ड्रोन आधारित और प्राकृतिक खेती जैसी योजनाएं बनाने में मददगार होते हैं। भोपाल जिले के खामखेड़ा ग्राम के किसान श्री हेमराज यादव खेती में अब तक उपलब्ध लगभग सभी तकनीकों का इस्तेमाल तो करते ही हैं पारम्परिक खेती के आज भी उपयोगी तरीकों को अपनाकर अपना उत्पादन दिन दूना रात चौगुना बढ़ाते हैं।

किसान श्री हेमराज यादव ने बताया कि वे समय-समय पर कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क कर अपनी मेहनत से और कृषि की नवीन तकनीकी को अपनाते हुए नए आयाम प्राप्त कर रहे हैं। श्री यादव ने आईआईएसएस भोपाल के माध्यम से अपनी भूमि का मिट्टी परीक्षण कराकर एवं समय-समय पर कृषि विभाग के द्वारा दी गई ट्रेनिंग के माध्यम से इस बार गेंहू एवं प्याज के उत्तम किस्म के बीज (प्रशांत एलोरा) को अपनाया। उन्होंने इन तकनीकों के माध्यम से अपनी फसल के उत्पादन को लगभग डेढ़ गुना कर लिया है। खेती की लागत एवं रसायनिक खादों से मिट्टी को बचाने की दिशा में श्री यादव लगातार जैविक खेती की ओर बढ़ रहे है। श्री यादव बताते है कि मेरे पास 10 एकड़ भूमि हैं जिसमें एक से दो एकड़ में प्याज की उन्नत किस्म की खेती कर रहा हूँ। साथ ही पशुपालन भी कर रहा हूँ। जिला कृषि यंत्रिकीय विभाग द्वारा शासन की अनुदान योजना के अंतर्गत उन्होंने ट्रैक्टर, ट्राली, रोटावेटर, प्लिाऊ कल्टीवेटर, बौनी मशीन, धान की मशीन क्रय की है। वे कहते हैं कि शासन के द्वारा 25 लाख रूपये के ऋण पर 10 लाख रूपये की सब्सिड़ी भी उन्हें मिली है। प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि की 6 हजार रूपये राशि भी मिल रही है एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 4 हजार रूपये की राशि श्री यादव को मिल रही है। वे कहते हैं कि सरकार की ड्रोन खेती और प्राकृतिक खेती की नीति उन जैसे किसानों के लिए ही है और वे इसे अपनाकर खेती में नवाचार कर उत्पादन बढ़ाएंगे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

D-19349/23